आश्विन कृष्ण पक्ष-14, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 99 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 अक्टूबर 2024 मंगलवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

हरियाणा में आज मोदी- राहुल के बीच सीधी जोर आजमाईश

एक साथ 22 सीटें साध रहे मोदी राहुल की पैचअप पॉलिटिक्स तेज

सीएम यादव का *प्रबोधिनी* में व्याख्यान

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज महाराष्ट्र के पुणे में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी संस्था की ओर से आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में मुख्य अतिथि हैं। यह परिचर्चा 'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर और लोक कल्याण के लिए उनके सुशासन' पर केंद्रित है। इसके बाद पुणे में शिव-सृष्टि पार्क का भी दौरा करेंगे। चर्चा की अध्यक्षता महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर रहे हैं। विनय सहस्त्रबुद्धे भी मौजूद हैं। मुख्य वक्ता पद्मश्री सुश्री निवेदिता ताई भिड़े और स्वामी विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष होंगी। ज्ञात हो कि पुणे में एशिया का इकलौता ऐतिहासिक थीम पार्क 'शिव-सृष्टि' है। महाराजा शिव-छत्रपति प्रतिष्ठान ट्रस्ट द्वारा संचालित 'शिव-सृष्टि' थीम पार्क का उद्देश्य छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और संघर्ष को जीवंत करना है।

नई दिल्ली/ भोपाल

सियासी पारे ने हरियाणे में रफ्तार पकड ली है। आज भाजपा के कईज्ञ स्टार प्रचार राज्य में दौरे सभा व रैली कर रहे हैं तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी रथयात्रा पर सवार हैं। हरियाणा में 5 अक्टूबर को मतदान होने वाला है। यहां निर्देलीय व बागी उम्मीदवारों पर सभी दलों की निगाहें हैं। वहीं कश्मीर में आज तीसरे चरण के मतदान में भी मतदाताओं की कतारें लगी हैं।

उधर इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूसरे दिन की हरियाणा विजय संकल्प यात्रा आज झज्जर के बहादुरगढ़ से शुरू गुई। उनके साथ हरियाणा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष उदयभान और रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा मौजूद है। राहुल दोपहर को सोनीपत सिटी और शाम को गोहाना में जनसभा को संबोधित करेंगे। मगर इस बीच उन्होंने संकेतों में बडा संदेश दिया है। राहुल की सभा में प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा तक, सभी एक-दूसरे का हाथ पकड़कर उठाए नजर आए मगर शैलजा व हुड्डा के बीच मौजूद राहुल ने पीछे हटकर इन दोनों का हाथ मिलवाया। कांग्रेस उम्मीदवारों की पूरी लिस्ट आने के बाद से ही कुमारी सैलजा की नाराजगी के चर्चे थे।

आज हरियाणा में मोदी का 22 सीटों पर सीधा फोकस

हरियाणा विस चुनाव के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पलवल में रैली है। यह उनकी अंतिम चुनावी जनसभा है। भाजपा ने इसके लिये पूरी ताकत झोंकी है। दरअसल यहां से 22 विधानसभाओं तक मोदी का असर फैलाने के लिये कोशिश की जा रही है। सभा में सभी 22 भाजपा उम्मीदवार मौजूद रहेंगे। मोदी की रैली में पलवल , फरीदाबाद, नूंह, गुरुग्राम , रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ की सीटों के उम्मीदवार उनके साथ स्टेज पर होंगे।

रामरहीम फिर पेरोल पर जेल से बाहर

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग की डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम की पैरोल को मंजूरी के बाद आज वह सुनारिया जेल से बाहर आ रहा है। आयोग ने 3 शर्तें लगाई हैं।इनमें जेल से बाहर आने के बाद उसे हरियाणा में नहीं जाने को कहा गया है। कोई भी पॉलिटिकल एक्टिविटी में शामिल होने पर भी प्रतिबंध है।

कश्मीर में तीसरे चरण में दोपहर तक 35 फीसद वोट

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण की वोटिंग आज सुबह 7 बजे से जारी है।40 विधानसभा सीटों पर दोपहर तक करीब पैंतीस फीसद वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा उधमपुर में 33.84% वोटिंग हुई। सबसे कम बारामूला में 23.20% मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक वोटिंग चलेगी। इस तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं वहीं अवामी इत्तेहाद पार्टी के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद ने कहा कि 2014 के बाद से राज्य में लोगों की आवाज दबाई गई। अगर मैं सत्ता चाहता तो मोदी से हाथ मिलाता। वहीं, गृह मंत्री शाह ने ङ्क पर कहा- ऐसी सरकार चुनें, जो अलगाववाद-परिवारवाद को दूर रखे।

इजरायल सेना लेबनान में दाखिल हुई, भीषण युध्द

अमेरिका का भी मिला साथ, ईरान को चेतावनी

बेरूत, दोपहर मेट्रो।

काफी दिनों से आक्रामक तेवर आख्तियार किए हुए इजराइल की सेना अब तड़के लेबनान में दाखिल हो गई। इजराइल डिफेंस फोर्स ने सुबह कहा कि रात दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकाने और बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए सीमा से लगे गांवों में 'लिमिटेड' ग्राउंड ऑपरेशन शुरू किया गया है। सीमा के नजदीकी गांवों को निशाना बना रहे हैं क्योंकि यहीं से हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमला करता है। सेना ने कहा कि इस हमले के लिए उनके सैनिकों ने हाल ही में ट्रेनिंग ली थी।ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए जा रहे हैं। इजराइली एयर फोर्स इसमें उनकी मदद कर रही है। खबरें है कि लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन के लिए इजराइल कोअमेरिका का साथ मिला है। अमेरिकी विदेश मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अगर ईरान, इजराइल पर हमला करता है तो उसेगंभीर परिणाम भुगतने होंगे। न्यूज एजेंसी एपी ने कहा है कि 2006 के बाद यह पहली बार है जब इजराइली सेना लेबनान में घुसी है। तब इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 33 दिनों तक जंग चली थी। इसमें 1100 से ज्यादा लेबनानीमारे गए थे। वहीं, इजराइल के 165 लोगों की मौत हुई थी।

अलसुबह गोविंदा के पैर में गोली लगी, खतरे से बाहर

घर में लाइसेंसी पिस्टल कर रहे थे साफ!

मुंबई, एजेंसी।

फिल्म एक्टर गोविंदा पैर में गोली लगने से घायल हो गए हैं। उन्हें खुद की पिस्टल से चली गोली लगी है। यह घटना आज सुबह करीब 4.45 बजे की है। खबरों के मुताबिक गोविंदा को अपनी रिवॉल्वर साफ करते हुए मिस फायरिंग से गोली लगी है। मुंबई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उनकी रिवॉल्वर जब्त कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी परमजीत सिंह दहिया ने बताया है कि जिस बंदूक से गोली लगी वह लाइसेंसी है।

बताया जाता है कि गोली लगने से साठ वर्षीय गोविंदा के पैर से काफी खून बहा, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई थी। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए अंधेरी के क्रिटी केयर हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। हॉस्पिटल से जुड़े सुत्रों के अनुसार, शुरुआती इलाज के बाद अब गोविंदा खतरें से बाहर हैं। उनकी पत्नी सुनीता फिलहाल अस्पताल में उनके साथ मौजूद हैं। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने बताया है कि वे एक प्रोग्राम के लिए कोलकाता जा रहे थे। सुबह 6 बजे की फ्लाइट थी। अलमारी में पिस्टल रखते हुए मिस फायरिंग हो गई और उनके घुटने के नीचे गोली लग गई। उन्हें तुरंत अंधेरी के अस्पताल ले जाया गया जहां गोली निकाल ली गई। इन दिनों गोविंदा बीते 5 सालों से फिल्मों से दूर हैं।

नेपाल की कोसी के विकराल रूप से बिहार में बर्बादी

पटना, एजेंसी।

इस वक्त हार के 19 जिले इन दिनों जबर्दस्त बाढ़ की चपेट में हैं। नेपाल में 60 घंटे लगातार बारिश होने के बाद कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिसका असर बिहार में है. नेपाल से पानी का दबाव बढ़ा तो बिहार में कई जगहों पर तटबंध दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर, बेतिया में कई जगहों पर बागमती, कोसी और गंडक नदी पर बने तटबंध टूट गए, जिससे कई गांवों में पानी भर गया है। अधिकांश हिस्सों में बाढ़ के हालातों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे कर रहे हैं। बारिश की वजह से बिहार की गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा और अन्य नदियां उफान पर हैं।

मध्य प्रदेश से 5 के बाद विदा होगा से मानसून

खंडवा, एजेंसी।

मध्यप्रदेश में अभी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम कमजोर पड गया है। इस वजह से अगले चार पांच दिन तो प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। आज इंदौर, उज्जैन समेत 17 जिलों में गरज-चमक और बूंदाबांदी होने के आसार हैं। उधर, मानसून भी 5 अक्टूबर के बाद विदाई लेने लगेगा। ग्वालियर-चंबल में सबसे पहले इसकी विदाई का अनुमान है। ज्ञात हो कि 21 जून को मानसून की आमद हुई थी। हालांकि यह ग्वालियर-चंबल में यह सबसे लेट पहुंचा था, लेकिन अब विदाई इन्हीं जिलों में सबसे पहले होगी। प्रदेश में अब तक 44.1 इंच बारिश हो चुकी है, जो मानसून के सामान्य कोटे 37.3 इंच के मुकाबले 18% अधिक है।

पहली तारीख... आज से 6 बड़े बदलाव, सिलेंडर महंगा

नई दिल्ली एजेंसी।

आज फिर महीने की पहली तारीख है और कई बदलाव लागू कर दिये गये हैं। यह बदलाव रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डालने वाले हैं। पीपीएफ और सुकन्या अकाउंट से जुड़े नियमों में बदलाव हुआ है। पैन कार्ड बनवाने से जुड़े नियम भी बदले गए हैं। वहीं आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 48 रुपए महंगा हो गया है मगर ?पेट्रोल व डीजल के दामों में कमी की आस पूरी नहीं हुई है। इसके अलावा एविएशन फ्यूल के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता हो सकता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ञ्जस्र) की कीमतों को 6,099 रुपए प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) तक घटा दिया है। अन्य बदलावों में दूसरा नंबर एटीएफ यानि एयर ट्रैफिक फ्यूल की कीमतों का है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है। दिल्ली में यह 5883 रुपए सस्ता होकर 87,597.22 रुपए प्रति किलोलीटर हो गया है। वहीं, कोलकाता में 5,687.64 रुपए सस्ता होकर 90,610.80 रुपए प्रति किलोलीटर हो गया है। मुंबई ,चेन्नई में भी दाम घटे हैं।

आज से पर्यटकों के लिए खुले सभी टाइगर रिजर्व

भोपाल। आज से मप्र के सभी 6 टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क के कोर इलाके खुल गए हैं। अब टूरिस्ट पार्कों में टाइगर समेत तेंदुआ, बारहसिंगा, गौर, भालू आदि जंगली जानवरों के दीदार के साथ प्राकृतिक सौंदर्य भी देख पाएंगे। यह पार्क जून के अंत से हर साल बंद किये जाते हैं। अब कोर इलाकों में घूमने के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराना होगी। बताया जाता है कि 3-4 अक्टूबर तक की बुकिंग फुल हो गई है। ज्ञात हो कि कान्हा, पन्ना, पेंच, बांधवगढ़, संजय डुबरी और सतपुड़ा टाइगर टाइगर रिजर्व है। कहीं 100 से ज्यादा टाइगर हैं तो कहीं ब्लैक पैंथर, हाथी जैसे जानवर हैं। जुलाई, अगस्त और सितंबर में इन जानवरों को बफर जोन में ही देखा जा रहा था।

धर्मनिरपेक्ष देश में सभी एक बुल्डोजर एक्शन पर सुनवाई

नई दिल्ली एजेंसी।

बुलडोजर एक्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई जारी है। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार का पक्ष रखा व कहा है कि एक समुदाय विशेष के खिलाफ बुलडोजर एक्शन किए जाने के आरोप लगे हैं। मुझे यही बात परेशान कर रही है। इस पर जस्टिस गवई ने कहा कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं। हम जो भी निर्धारित कर रहे हैं वह पूरे देश के लिए होगा। चाहे वह मंदिर हो या दरगाह, उसे हटाना ही सही होगा, क्योंकि सार्वजनिक सुरक्षा सबसे पहले है। दरअसल 17 सितंबर को कोर्ट ने 1 अक्टूबर तक के लिए बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने कहा था कि अगली सुनवाई तक देश में कहीं भी बुलडोजर एक्शन नहीं हो।

वरिष्ठता की परंपरा का बहाल हो जाना...

दावेदारों का लहरें गिनते रह जाना और अनुराग का अचानक *राजेश* बन जाना...!

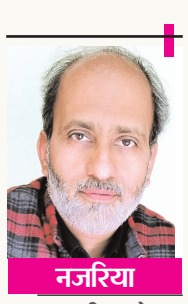

नजरिया
आशीष दुबे

जिस तरह कहानियां खत्म होने से पहले कई रोमांचक मोड़ से गुजरती हैं, उसी तरह मप्र के मुख्यसचिव पद पर नियुक्ति प्रक्रिया गाथा भी क्लाईमैक्स पर पहुंची है। वैसे तो इस पद के लिए हाल के बरसों में जिस तरह के सस्पेंस का समावेश हुआ है, वह प्रशासनिक हलकों में लंबा रोमांच तो पैदा कर रहा है, लेकिन इसके पीछे की कई तरह के 'समन्वय, संतुलन और संधियां' भी जाहिर हो रही हैं। यूं भी प्रशासन और राजनीति में कभी बहुत फर्क नहीं रहा, दोनों एकदूसरे में समाहित हो गए लगते हैं। दोनों जगह एक जैसी *प्रैक्टिस* को महसूस किया जा सकता है। जहां तक अनुराग जैन को मुख्यसचिव बनाने की पूरी 'प्रक्रिया' है, वह कहीं न कहीं असमंजस की उस कड़ी को बढ़ाती है जो पहले की सरकारों में भी नजर आता रहा है। जैन का काम के प्रति डिवोशन और डेडिकेशन किसी भी सवालिया निशान से सदा दूर रहा है। वे मुख्यसचिव पद के लिए पहले भी दो बार प्रबल नाम बनकर उभरे लेकिन कॅरियर के आखिरी दौर में उन्हें मूल प्रदेश में 'शिखर सम्मान' मिला। वे मप्र के प्रशासनिक परिदृश्य व मंत्रालय में 'राजेश' बनकर उभरे हैं, जिसका शाब्दिक अर्थ है कई राजाओं का राजा !

इस बार मुख्यसचिव का पद का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि शिवराज के लंबे शासन के बाद मोहन यादव को पहली बार मुख्यसचिव चुनना था। इसलिए उनका विजन कसौटी पर था। उन्होंने राजेश राजौरा को अपना अपर मुख्यसचिव बनाकर ब्यूरोक्रेसी में जो लहरें पैदा की थीं, उनका वेग बता रहा था कि इनका 'किनारा' क्या होगा। मगर एक बड़ी लहर कल सुबह से उठ रही थी,जो अनदेखी-सी रही। इसीलिए एक फोन कॉल की चर्चा है, जब आखिरी वक्त में दोपहर एक बजे के आसपास अनुराग की सेवाएं केंद्र सरकार से वापस मांगने औपचारिक पत्र भेजा गया और जैन का आदेश आधी रात के ऐन पहले निकला। माना जाता है कि जैन के प्रति 'केंद्र' का अनुराग ही राज्य का अनुराग बना। जबकि दो महीने में सीएम दिल्ली में जैन से दो बार मिल चुके थे। जानकार मानते हैं कि खुद जैन की मप्र लौटने की इच्छा भी महत्वपूर्ण रही होगी, इसके पहले वाले वे प्रायःतटस्थ नजर आते थे। वे केंद्र और राज्य के बीच अब नए सेतु के रूप में हैं, योजनाओं का फायदा दिलाने से लेकर अन्य सभी प्रशासनिक मसलों तक।

इस पूरे घटनाक्रम में एक बात ठीक यह है, *वरिष्ठता को प्राथमिकता* । वीरा राणा के बाद मप्र कॉडर में जैन ही सबसे वरिष्ठ है और उनके पास काम के लिए पूरे 11 महीने का वक्त है। इसके बाद भी मौके के आसार हैं। वरिष्ठता का यह सिलसिला डीजीपी और वन विभाग के प्रमुख तक पहुंचेगा, इसकी उम्मीद भी बढ गई हैं। बहरहाल मप्र की प्रशासनिक नदी में कई तरह की लहरें फिलहाल तो शांत हो गई हैं, आईएएस कॉडर में मो.सुलेमान, विनोद कुमार,जेएन कंसोटिया और एसएन मिश्रा की स्वाभाविक हसरतों पर वरिष्ठता का पहरा बैठ गया है। लेकिन जैन जब कार्यकाल पूरा करेंगे तो वरिष्ठता के मामले में राजौरा फिर उभरेंगे, और उनके पीछे नया दावेदार बैच भी होगा, तब का *राजेश* कौन होगा, यह दिलचस्प होगा।

बिना मुख्यसचिव की सरकार!

आज मप्र सरकार मुख्यसचिव विहीन है। वीरा राणा कल सेवानिवृत्त हो चुकी हैं और नवागत मुख्यसचिव अनुराग जैन संभवत 3 अक्टूबर को अपना नया पद संभालेंगे। आज मंत्रालय दोपहर तक मंत्रालय में जैन के चार्ज लेने के मामले में सन्नाटा रहा। माना जाता है वे नवरात्र के पहले दिन नया कार्य शुरू करना चाहते हैं। हालांकि इस बीच मप्र सरकार ने प्रभारी मुख्यसचिव को लेकर कोई अलग आदेश जारी नही किया है।

हमें अपने ज्ञान एवं इतिहास पर गर्व करने करने की परम्परा विकसित करनी होगी: उच्च शिक्षा मंत्री

हमीदिया प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में संभागीय कार्यशाला का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के सभागार में भारतीय ज्ञान परम्परा विविध संदर्भ विषय पर एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत का ज्ञान विश्व मंच पर सबसे पुरातन और सर्वश्रेष्ठ ज्ञान है, यह ज्ञान परम्परा एवं मान्यता के रूप में भारतीय समाज में सर्वत्र विद्यमान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में क्रियान्वयन, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश के बिना अपूर्ण रहेगा।

भारत की शिक्षा व्यवस्था, समाज आधारित शिक्षा व्यवस्था

मंत्री परमार ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था, समाज आधारित शिक्षा व्यवस्था थी। शिक्षा और स्वास्थ्य, समाज के विषय हुआ करते थे। अंग्रेजों ने भारत के मानस को परिवर्तित करने के लिए भारतीय शिक्षा पद्धति को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट किया। परमार ने कहा कि भारत सर्वसंपन्न, सर्वज्ञानी और समृद्ध देश रहा है, इसलिए ऐतिहासिक कालखंडों में अंग्रेजों समेत सभी विदेशी आक्रांता भारत को लूटने आए थे। अंग्रेजों के आंकड़ों के अनुसार भारत 90 प्रतिशत साक्षरता वाला देश था, यहां 7 लाख से ज्यादा समाज द्वारा संचालित गुरुकुल थे। अंग्रेजों ने भारत की संस्कृति और शिक्षा को मिटाने का कुत्सित प्रयास किया, किंतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने से शिक्षा में भारतीय दर्शन और चिंतन पुनः जीवंत हो रहा है।

खुशनुमा मौसम

भोपाल। लगातार हो रही बारिश के बाद मौसम खुशनुमा हो गया है। आगे भी बारिश होने की संभावना है।

राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए चलशील्ड

'हिंदी हमारी संस्कृति और पहचान'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निटर भोपाल में सोमवार को हिंदी पखवाड़ा का समापन हुआ। इस अवसर पर, निटर भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने अपने सन्देश में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान का अभिन्न हिस्सा है। समापन समारोह की मुख्य अतिथि हिंदी लेखिका वंदना त्रिपाठी थी। उन्होंने कविता पाठ कर अपना संबोधन दिया।

संस्थान के अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. आर.के दीक्षित ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया और कहा, हमें अपनी भाषा को गर्व के साथ अपनाना चाहिए और इसे समृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे कविता पाठ, निबंध लेखन, प्रश्न मंच और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य हेतु अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग को चल शील्ड प्रदान की गई जिसे डीन प्रो. पी.के पुरोहित एवं अन्य संकाय सदस्य व कर्मचारियों ने ग्रहण किया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे समारोह में एक उत्साहपूर्ण माहौल बना। अंत में, सभी उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर हिंदी भाषा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और अगले वर्ष फिर से इस तरह के आयोजन के लिए उत्साहपूर्वक तत्पर रहने का संकल्प लिया।

भूमि विकास नियम 2024: टीएंडसीपी ने भेजा प्रस्ताव

ईवी चार्जिंग प्वॉइंट कॉलोनी में जरूरी, फायर सेफ्टी भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ग्रीन एनर्जी के तहत अब कॉलोनियों में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग प्वॉइंट के साथ कॉलोनी में सार्वजनिक उपयोग के लिए सोलर पैनल अनिवार्य होगा। बेसमेंट में सिर्फ पार्किंग होगी। नए नियमों में मकानों की खिड़की, सीढ़ियां, गैलरी और अन्य निर्माण की अनुमति राष्ट्रीय मानकों से ही मिलेगी, ताकि भवन सुरक्षात्मक बेहतर हो सके। नेशनल बिल्डिंग कोड ने कॉलोनियों और मकानों के निर्माण के लिए नए नियम बनाए हैं। इसके अनुरूप साल के आखिर तक प्रदेश और राजधानी में नया भूमि विकास नियम-2024 लागू हो जाएगा। इस संबंध में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) ने प्रस्ताव शासन को भेजा है। नए नियम में हर मकान, दुकान में फायर सेफ्टी के इंतजाम और मकान, कॉम्प्लेक्स में पार्किंग के लिए नई डिजाइन तय की गई है। प्राकृतिक ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने के लिए ग्रीन बिल्डिंग के मानकों को भी शामिल किया गया है।

नियम में नेशनल बिल्डिंग कोड शामिल

- घर-दुकान बनाने भवन अनुज्ञा में अब भूमि विकास नियम नहीं, नेशनल बिल्डिंग कोड मान्य, इसके तहत भवन की मजबूती बढ़ेगी और हादसे खत्म होंगे।
- खिड़की से लेकर सीढ़ियां, गैलरी व अन्य निर्माण की अनुमति राष्ट्रीय मानकों से मिलेगी। सुरक्षात्मक उपाय बेहतर होंगे।
- ग्रीन बिल्डिंग मानक के अनुसार घर में रोशनी व हवा आती रहे, इसके लिए डिजाइन तय।
- रसोई अंदर या बाहर खुली जगह में,1 वर्ग मी. जरूरी। बाथरूम में न्यूनतम वेंटिलेशन या खिड़की की जगह 0.37 वर्गमीटर।

अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने रखे अनुभव

निरोगी काया के टिप्स सीख रहे साधक-साधिकाएं शिविर में

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में चल रहे दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने जीवनभर निरोगी रहने के सूत्र बताए। वहीं, शिविरार्थियों ने शिविर के अनुभव साझा किए। शिविर में देश के कई प्रांतों से आए साधक-साधिकाएं हिस्सा ले रही हैं। शिविर डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइट्स, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर की समस्या से राहत की उम्मीद लेकर लोग आए हैं।

जिन्हें नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ कराई जा रही है। इसके साथ ही सुबह-शाम विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं शंका समाधान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरार्थियों ने कहा, जो शरीरिक समस्याएं लेकर आए थे। उनमें दिनचर्या और आहार में बदलाव से राहत मिली है। शरीरिक के शुद्धिकरण के बारे में जाना। प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ रमेश टेवानी ने कहा कि आजीवन निरोगी रहने के तीन मंत्र हैं उपवास, पेट की सफाई और नींद। ज्यादातर शारीरिक बीमारियों की वजह इनकी अनदेखी से होती है, जो शिविर में सीखा है, उसे दूसरों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम के अंत में डॉ लता टेवानी आभार व्यक्त किया। आगामी शिविर दो से सात अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल

परीक्षा के आवेदन 7 अक्टूबर तक

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं के आवेदन-पत्र सामान्य शुल्क के साथ भरने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। इन परीक्षाओं के लिये आवेदन अब 7 अक्टूबर, 2024 तक भरे जा सकेंगे। पूर्व में यह तिथि 30 सितम्बर निर्धारित की गई थी।

नई बस्ती में कथा में हुआ रूकमणी विवाह

हिरदाराम नगर। पितृपक्ष में नई बस्ती में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में व्यास पीठ से योगेन्द्र शास्त्री कथा का श्रवण करा रहे है। कथा के सातवें दिन रुक्मणी विवाह मनाया गया। कथा में आचार्य पंडित रवि पटेरिया, जीवन प्रसाद तिवारी, पं. गोविंद राम गर्ग, पं. संदीप पचौरी पं. प्रमोद चौबे व श्रद्धालुओं ने व्यास पीठ का पूजन किया।

श्रद्धा और भाव के साथ करें पितरों का श्राद्धकर्म : मुकेशजी

सखी बाबा आश्रम में चल रही है सात दिवसीय कथा का आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत कंवरराम कॉलोनी के सखी बाबा आश्रम में चल रही शिव महापुराण की कथा में संतनगर के मुकेशजी महाराज कथा का वाचन कर रहे हैं। कथा के तीसरे दिन सोमवार को उन्होंने कहा कि पितरों को ही नहीं प्रेत योनि में फंसे पितरों को भी मुक्त देती है शिव महापुराण की कथा। मुकेशजी ने कहा कि पितृपक्ष में शिव महापुराण की कथा सुनने और करवाने से पितरों के साथ-साथ प्रेत योनि में फंसे पितरों की भी मुक्ति हो जाती है। उन्होंने कहा कि पितरों के निमित्त श्राद्ध तर्पण कभी भी बंद नहीं करने चाहिए। जिन घरों से पितरों के निमित्त भोजन निकलना बंद हो जाता है उन घरों के पितृगन अतृप्त हो जाते हैं और पितरों का दोष लग जाता है, इसीलिए श्रद्धा और भाव के साथ पितरो का श्राद्धकर्म करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा की जीते जी माता-पिता की आज्ञा का पालन करना उनकी सेवा में रहना। उनके वचनों में श्रद्धा रखना ही जीते जी सबसे बड़ा श्राद्ध है। जीते जी माँ बाप की सेवा से बढ़कर संसार में कुछ भी नहीं है। कथा में समाजसेवी हीरो इसरानी, भाजपा नेता महेश खटवानी, पूर्व पार्षद संध्या प्रधान, जया दयारामानी, वीनू चंदवानी, सपना भागचंदानी, भारती लखानी, सरिता बागवानी ,टीला जमालपुर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष राजू दया रामानी अशोक रोहिरा व बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

मेट्रो एंकर सांस्कृतिक सिंधी गरबा महोत्सव की तैयारियां अंतिम दौर में

देश में सिंधी समाज का सबसे बड़ा गरबा महोत्सव है भोपाल का आयोजन: सबनानी

- सुंदर वन में पांच से आठ अक्टूबर तक होगा आयोजन

- शहर के कई स्थानों पर चल रहा गरबा प्रशिक्षण

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित 5 से 8 अक्टूबर को होने वाले सांस्कृतिक गरबा महोत्सव 2024 की अंतिम तैयारियों को लेकर रविवार को सुंदरवन गार्डन में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, इस बैठक में सिंधी मेला समिति के सभी सदस्यों को अपनी अपनी जिम्मेदारी सौपी है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सिंधी मेला समिति के मुख्य संरक्षक भगवानदास सबनानी विशेष रूप से समिति के सदस्यों को मार्गदर्शन देने के लिए उपस्थित हुए थे, उन्होंने इस अवसर पर कहा कि शारदीय नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना के साथ इस संस्कृतिक गरबे की शुरुआत कि जाती है, 17 वर्ष पहले आप सभी साथियों के साथ इस इस गरबे की शुरुआत कि थी आज, यह उत्सव इतना भव्य हो चुका है कि भोपाल नहीं बल्कि पूरे भारत का यह सिंधी समाज का सबसे बड़ा गरबा महोत्सव कहलाता है, जहां एक ही छत के नीचे सिंधी समाज के हजारों बच्चे माँ अम्बे की आराधना के साथ गरबा करते है, इस विशेष उपलब्धि के लिए मैं पूरी सिंधी मेला समिति की टीम बधाई प्रेषित करता हूं।

इस अवसर पर सिंधी मेला के अध्यक्ष मनीष दरयानी महासचिव नरेश तलरेजा, सुनील मंगवानी, प्रभुदास मूलचंदानी, ठाकुर पंजवानी,मनोहर लालवानी, दीपू वाधवानी, सीमा सबनानी, राजू वाधवानी, राम आसुदानी, अशोक माता, अशोक रोहरा, हरीश चंदवानी, कपिल भाटिया, मनोहर उतवानी, राजेश मेघानी, किरण वाधवानी, भावना जगवानी, सिया आसुदानी, पूजा भाटिया सहित समाज के गणमान लोग एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित हुई।

'संत नगर- कोलूखेड़ी' मार्ग जगमगाया, विधायक ने किया शुभारंभ

विधायक शर्मा बोले- गांव हो या शहर, हर डगर जगमगाएगी हुजूर की

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सोमवार को संत हिरदाराम नगर क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने संतनगर से कोलूखेड़ी पहुंच मार्ग पर स्ट्रीट लाइटों का शुभारंभ किया। इस मार्ग पर 180 पोल्स पर लगी 380 स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ किया। इन लाइटों के लगने के बाद यह मार्ग दूधिया रौशनी से जगमगा उठा। शुभारंभ करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि मेरे हुजूर विधानसभा वाले नागरिक मेरे अपने परिवार का हिस्सा हैं। ये जब भी, जो भी मांग लेकर आते हैं मेरा प्रयास रहता है कि मैं उसे जरूर पूरा करूं। इस मार्ग की कठिनाइयों को लेकर भी लोगों ने मुझे जानकारी दी थी, जिसके चलते हमने पूरे मार्ग को ही दूधिया रौशनी से जगमगा दिया। अब हमारे नागरिक बढ़िया चमचमाती रोशनी में सफर का आनंद लेते हुए घर जाएंगे। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जितनी लाइटें एक पूरी नगर में लगती हैं वह केवल इस रोड पर लगी हैं। आगे जरूरत लगी तो और लाइटें भी लगाएंगे, क्योंकि गांव-गांव को रोशन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी ने कहा था कि एक दिन ऐसा आएगा कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश जगमगा रहा है, मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में तरक्की का सूर्योदय हुआ है तो फिर हुजूर के गांवों में मैं कैसे अंधेरा रहने दूंगा। इसलिए हर गांव, हर गली को रोशन करने का संकल्प लिया है। हम अपने हुजूर विधानसभा क्षेत्र को आदर्श क्षेत्र के रूप में विकसित करेंगे।

11 जिलों ने कृषि कोष से 4 करोड़ के ड्रोन खरीदे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार ने अस्थायी निधि आवंटन किया

कृषि अवसंरचना को बढ़ाने, सुदृढ़ करने और कृषक समुदाय को मदद देने के लिए के लिए कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) योजना की राशि का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में ड्रोन टेक्नोलॉजी इस्तेमाल बढाने के लिये हो रहा है। इसके तहत 2 करोड़ रुपये तक के ड्रोन क्रय करने के ऋण पर भारत सरकार द्वारा 3 फीसदी का ब्याज पर प्रदान किया जा रहा है। लिहाजा योजना के प्रारंभ होने के उपरांत केवल ड्रोन क्रय करने के लिए मध्यप्रदेश के 11 जिलों के 4 करो? 77 लाख 47 हजार रुपये के लोन विभिन्न बैंकों से स्वीकृत हुए हैं। ड्रोन नवाचार पर मपी पोस्ट के मुताबिक जिन जिलों की निजी क्षेत्र की इकाई को ऋण मिला है। वे हैं बैतूल - भोपाल, धार, इंदौर, खरगोन, नर्मदापुरम , नरसिंहपुर ,रतलाम, सिवनी , उज्जैन और विदिशा । वहीं जिन निजी क्षेत्र की इकाई को राशि मिली उन्होंने आधुनिक ड्रोन क्रय कर कृषि विकास और उत्पादन की गतिशीलता व बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से, विशेष रूप से कटाई के बाद के चरण में, उपज का इष्टतम उपयोग हो, जिससे मूल्य संवर्धन और किसानों के लिए उचित सौदे के अवसर प्राप्त हों। इस दिशा में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है । मप्र सरकार ने भी एआईएफ के लिए स्टेट प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट तैनात की है जो अपना काम कर रही है। कृषि अवसंरचना कोष अंतर्गत अस्थायी निधि आवंटन 7440 करोड़ रुपये किया गया है। फार्म-गेट और एग्रीगेशन पॉइंट (प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन, कृषि उद्यमी, निजी क्षेत्र की इकाई, स्टार्ट-अप आदि) पर कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए यह सुविधा प्रदान की जा रही है ।

राज्य निर्वाचन आयुक्त सिंह ने अनौपचारिक विदाई ली, एसीएस बनाए गए मंडलोई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वर्ष 2019 से राज्य निर्वाचन आयुक्त हैं बसंत प्रताप सिंह, अब ली विदाई, लेकिन नया आयुक्त मिलने तक पद पर बने रहेंगे

राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने सोमवार शाम को अनौपचारिक रूप से विदाई ले ली है। आज शाम तक या अगले कुछ ही दिन में राज्य को नया निर्वाचन आयुक्त मिलना तय है। यह जिम्मेदारी सीएस के पद से रिटायर हुई वीरा राणा को भी मिल सकती है। उधर, नीरज मंडलोई के रूप में राज्य को एक और अपर मुख्य सचिव मिल गया है।

उल्लेखनीय है कि बसंत प्रताप सिंह का कार्यकाल 30 जून को ही खत्म हो गया था, उन्हें सरकार की ओर से 30 सितंबर तक सेवाएं जारी रखने के लिए कहा था, सोमवार को यह समय भी पूरा हो गया था। राज्य के सीएस रहे सिंह जनवरी 2019 में आयुक्त बनाए गए थे। हालांकि देर शाम तक सरकार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर किसी की नियुक्ति के आदेश नहीं किए। बसंत प्रताप सिंह 1984 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं। उत्तरप्रदेश के रहने वाले सिंह का जन्म 1 जुलाई 1958 को हुआ था। वह शिवराज सरकार में मुख्य सचिव बनाए गए थे जिन्हें कमलनाथ सरकार में राज्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया।

बसंत प्रताप सिंह

वीरा राणा

राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि उक्त पद संवैधानिक है, इसलिए खाली नहीं रह सकता। जब तक राज्य शासन की ओर से नए आयुक्त के आदेश नहीं हो जाते, तब तक कार्यालय जाता रहूंगा।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव बनाए गए एसीएस

नीरज मंडलोई

मुख्य सचिव के पद से वीरा राणा के रिटायर होते ही मप्र कैडर के आइएएस एवं नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई को पदोन्नति मिल गई है। उन्हें सरकार ने अपर मुख्य सचिव बना दिया है। मंडलोई भारतीय प्रशासनिक सेवा 1993 बैच के अधिकारी हैं। पदोन्नति संबंधी आदेश सोमवार देर रात को जारी किया गया। अब राज्य में कार्यरत 13 अपर मुख्य सचिव हो जाएंगे। इनमें एसीएस स्तर के दो अधिकारी विनोद कुमार व जेएन कंसोटिया मंत्रालय से बाहर है बाकी सभी मंत्रालय में पदस्थ है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ आइएएस संजय दुबे को हाल ही में पदोन्नति मिली थी। अगली बार वरिष्ठता के आधार पर उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव अनुपम राजन को पदोन्नत किया जाएगा।

उच्च शिक्षा में क्रेडिट प्रणाली अब एक जैसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य के सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं में स्नातक स्तर पर क्रेडिट प्रणाली एक जैसी होगी। 50 फीसदी से कम क्रेडिट की बाध्यता खत्म कर दी गई है। श्रेणी सुधार भी कर सकेंगे। क्रेडिट प्रणाली को आसान बनाने के लिए विभाग ने दो अध्यादेशों को एक किया है। इसे 14 (1) नाम दिया है। अभी तक सेमेस्टर के लिए 14 (ए) और वार्षिक प्रणाली के लिए 14 (बी) था। अब विद्यार्थी सेमेस्टर से वार्षिक या वार्षिक से सेमेस्टर प्रणाली में पढ़ सकेंगे। यानी एक संस्थान से दूसरे संस्थान में प्रवेश आसान होगा। अध्यादेश चरणबद्ध रूप से लागू होगा।

भोपाल में स्टार्स परियोजना की दो दिवसीय कार्यशाला का आज दूसरा दिन

विकसित भारत की नींव के लिए शिक्षा प्रणाली को मजबूती देना जरूरी : स्कूल शिक्षा मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सहित 17 प्रदेशों के शिक्षा सचिव व अधिकारी हो रहे शामिल

राजधानी के एक निजी होटल में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की स्टार्स परियोजना की दो दिवसीय नॉलेज शेयरिंग कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश सहित 17 प्रदेशों के शिक्षा सचिव, राज्य परियोजना संचालक और शिक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और प्रदेश के स्कूल सचिव डॉ. संजय गोयल शामिल हो रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 के विकसित भारत की नींव के लिए शिक्षा प्रणाली को अभी से लगातार मजबूती देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति 2020 में बच्चों के समग्र विकास पर जोर दिया गया है। इस वजह से शिक्षा व्यवस्था के बदलाव में स्टार्स (स्ट्रेंथनिंग टीचिंग-लर्निंग एण्ड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स) परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रदेश के स्कूलों में इस वर्ष 20 हजार शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार ऑनलाइन काउंसलिंग के जरिये दिलाया गया है। सभी शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके, इसके लिए करीब 16 हजार शिक्षकों की पदस्थापना का युक्तियुक्तकरण किया गया है। इस मौके पर स्टार्स परियोजना पर केन्द्रित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला स्थल पर स्कूल के बच्चों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

शिक्षक और बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति से शिक्षा उद्देश्य होंगे हासिल

शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि जब शिक्षक समर्पण की भावना से नियमित रूप से स्कूल जायेंगे और बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति स्कूलों में होगी, तभी हम सार्थक रूप से शिक्षा के उद्देश्यों को हासिल कर सकेंगे। शिक्षा के बदलते दौर की चर्चा करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 से देश में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप शिक्षा को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में अब दुर्गम स्कूलों में भी बच्चों तक टेक्नोलॉजी पहुंचाने के लिये आईसीटी लैब की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट सीएम राइज स्कूल की विस्तृत जानकारी कार्यशाला में दी। स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने स्कूलों में कृषि से जुड़ी शिक्षा व्यवस्था के लिये एग्रीकल्चर स्कूल की योजना बनाई है। इस योजना से बच्चे खेती-किसानी के बारे में शिक्षा हासिल कर इसे गर्व के साथ अपनायेंगे।

बजट का हो पूरा उपयोग: कार्यशाला को संबोधित करते हुए केन्द्रीय शिक्षा सचिव संजय कुमार ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से राज्यों को शिक्षा योजना पर अधिक से अधिक बजट राशि देने का प्रयास किया जा रहा है। राज्यों का दायित्व है कि वे प्राप्त बजट राशि का शत-प्रतिशत उपयोग करें। उन्होंने कहा कि स्टार्स परियोजना समेत अन्य योजनाओं के माध्यम से स्कूलों के बच्चों के कौशल विकास के लिये नये-नये ट्रेड लाये जा रहे हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए मानव संसाधन का उचित उपयोग किए जाने पर भी जोर दिया। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी विपिन कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टार्स परियोजना 6 राज्यों मध्यप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, केरल, हिमाचल और महाराष्ट्र में संचालित है। इन राज्यों के साथ 2-2 अन्य राज्यों को अनुभव के आदान-प्रदान के लिए जोड़ा गया है।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 की परीक्षा को लेकर जारी किए निर्देश

5वी-8वीं की अर्द्धववार्षिक-वार्षिक परीक्षा की तैयारी शुरू, अधिभार अंक हुए तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सभी शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं और डाईस कोड प्राप्त मदरसों में कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा परिणाम के लिए अधिभार अंक निर्धारित किए गए हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए अधिभार अंक 20, वार्षिक परीक्षा लिखित अधिभार अंक 60 और वार्षिक परीक्षा प्रोजेक्ट कार्य के लिए अधिभार अंक 20 निर्धारित किए गए है।

प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से तैयार कराए जाएंगे

निर्देशों में कहा गया है कि समस्त शालाओं में अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन राज्य शिक्षा द्वारा निर्धारित ब्लू प्रिन्ट के आधार पर निर्मित कराए गए प्रश्न-पत्रों और निर्धारित समय-सारणी अनुसार कराया जाएगा। शासकीय शालाओं के लिए अर्द्धवार्षिक परीक्षा के प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से निर्मित कराए

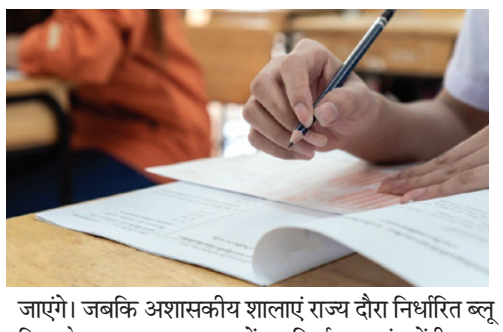

जाएंगे। जबकि अशासकीय शालाएं राज्य दौरा निर्धारित ब्लू प्रिन्ट के आधार पर प्रश्न-पत्रों का निर्माण स्वयं करेंगी। वार्षिक परीक्षा के लिए शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं एवं डाईस कोड प्राप्त मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं और 8वीं के लिये पंजीकृत परीक्षार्थी के लिए कक्षावार, विषयवार निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार निर्मित कराये गये प्रश्न-पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराये जाएंगे। परीक्षा आयोजन संबंधी समय-समय पर जारी निर्देश मध्यप्रदेश राज्य एजुकेशन पोर्टल की वेबसाइट देखे जा सकते हैं।

मेट्रो एंकर | **सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर आयोजित**

विवाह पूर्व कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी है सिकल सेल कार्ड का मिलान : राज्यपाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्वस्थ पीढ़ी के लिए विवाह पूर्व जन्म कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी सिकल सेल जेनेटिक काऊंसलिंग कार्ड का मिलान करना है, क्योंकि यदि सिकल सेल रोगी और वाहक आपस में विवाह करते हैं, तो निश्चित ही उनकी सन्तान सिकल सेल रोग से ग्रसित होगी। यदि पति-पत्नी दोनों इस रोग के वाहक हैं, तो भी उनकी भावी सन्तान सिकल सेल से प्रभावित होगी, इसकी ज्यादा संभावना रहती है। यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में आयोजित सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर को संबोधित करते हुए कही। जनजातीय कार्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत व पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह भी उपस्थित थे।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए गर्भधारण के पूर्व और गर्भावस्था में भी मेडिकल काऊंसलिंग बहुत जरूरी है। अब जन्म के 72 घंटों में सिकल सेल का पता लगने पर नवजात शिशुओं के विशेष उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए विशेष प्रयास कर रही हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने संबंधित विभागों को

सिकल सेल जागरूकता के लिए बेटियां आगे आयें

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृ-शक्ति का विशेष महत्व है। सिकल सेल उन्मूलन के लिए बेटियों का योगदान जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल जागरूकता के लिए बेटियां आगे आयें और अपने करीबियों, रिश्तेदारों व आसपास के लोगों को इस रोग के बारे में बताएं और रक्त की जांच कराने को कहें। उन्होंने अपील की कि रोग के लक्षण, रोकथाम और उन्मूलन के प्रयासों में हर व्यक्ति सक्रिय योगदान करे। मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य के प्रति संवेदनशील रहें। उन्होंने 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया से मुक्त बनाने के संकल्प के लिए सामूहिक सहभागिता का आहवान किया।

व्यवस्था करेंगे कि हर छात्रावास में एक नर्स हर माह बच्चों की जांच करें

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सिकल सेल उन्मूलन मिशन में राज्यपाल श्री पटेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर मंत्री शाह ने कहा राज्यपाल पटेल के प्रयासों से ही प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन का कार्य मिशन मोड पर तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हम ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि प्रदेश के प्रत्येक अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के सभी छात्रावासों में एक नर्स हर महीने जायेगी और छात्रावासी बच्चों के रक्त की जांच करेगी।

संपादकीय

लड्डू पर नेताओं को नसीहत

देशभर में बीते कई दिनों से विवाद व रोष का विषय बने तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू मामले में अब सर्वोच्च न्यायालय की सख्त नसीहत भारतीय राजनीतिज्ञों के लिये नसीहत होना चाहिए और लोगों को भी इन राजनीतिज्ञों की मनोवृत्ति को समझना चाहिये। कोर्ट ने राजनेताओं से कहा है कि कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें, यह लोगों की आस्था का मामला है। अदालत ने कहा कि जब आप एक संवैधानिक पद पर होते हैं, तो आपसे उम्मीद की जाती है कि देवताओं को राजनीति से दूर रखेंगे। जब इस मामले में जांच चल ही रही थी तो फिर इसे मीडिया में उछालने का क्या मतलब था। दरअसल, अभी तक यह स्पष्ट ही नहीं है कि तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में बनने वाले लड्डुओं में मिलावटी घी का इस्तेमाल होता था। शीर्ष अदालत ने भी सवाल किया कि इस बात का सबूत कहां है कि यही वह घी है, जिसका इस्तेमाल लड्डू बनाने में हुआ। दरअसल, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में कहा था कि पिछली सरकार के समय तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का उपयोग होता था। उसके बाद इस मामले ने खासा तूल पकड़ लिया। हालांकि इस आरोप के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू अपने राजनीतिक लाभ के लिए भगवान का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मगर तब तक इसे लेकर विवाद काफी बढ़ गया। इस बात को लेकर भी चर्चा ने जोर पकड़ लिया कि तिरुपति में घी की आपूर्ति में किस तरह घपला किया गया होगा। स्वाभाविक ही इस विवाद का असर लोगों की आस्था पर पड़ा है। तमाम विपक्षी दल इस बात की नसीहत देते देखे गए कि मंदिरों की पवित्रता के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। मगर चंद्रबाबू नायडू की राजनीतिक मंशा उस समय फिर जाहिर हो गई, जब जगनमोहन रेड्डी के तिरुपति मंदिर में प्रवेश को लेकर अड़चन पैदा कर दी गई। रेड्डी तिरुपति मंदिर जाना चाहते थे, पर उनसे कहा गया कि वे पहले प्रपत्र भर कर अपना धर्म जाहिर करें। इस पर रेड्डी ने अपनी तिरुपति यात्रा रद्द कर दी। इस तरह तिरुपति प्रसाद का मामला आंध्रप्रदेश के दो दलों की राजनीतिक लड़ाई बन गई। आरोप से पहले उसके पुख्ता आधार सामने आने का इंतजार नहीं किया गया और राजनीतिक हित साधने की हड़बड़ी में आस्था और भगवान को मोहरा बनाने की कोशिश की गई। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मंदिरों की पवित्रता किसी भी रूप में भंग नहीं होनी चाहिए। ये लोगों की आस्था के स्थान होते हैं। मगर यह बात राजनीतिक दलों को ज्यादा समझने की है कि देवताओं का इस्तेमाल वे राजनीति के लिए न करें। पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति कुछ अधिक बड़ी है कि चुनाव के समय राजनेता मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए जाते और फिर उसका समाचार प्रसारित कर अपनी आस्था को आमजन की आस्था से जोड़ने का प्रयास करते हैं। उसमें कई मौकों पर किसी राजनेता के प्रवेश से मंदिरों के अपवित्र होने का मुद्दा भी उठाया जाता है। देश के लोगों की आस्था को भुनाने का खेल जिस तरह राजनीति में देखा जाने लगा है, उसी का नतीजा है कि तिरुपति बालाजी के प्रसाद पर सवाल उठा कर जनाधार बढ़ाने की कोशिश की गई। विडंबना यह है कि अक्सर बहुत सारे लोग तर्क-वितर्क से किसी मुद्दे की सच्चाई समझने का प्रयास नहीं करते। उन्हें अपनी आस्था पर भरोसा होता है। ऐसे विवाद से उन लोगों की भावनाओं को चोट पहुंचती है। इस तरह लोगों की आस्था से खेल कर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हमारे संवैधानिक मूल्यों पर भी आघात है। कोर्ट की टिप्पणी का अर्थ बहुत व्यापक है और उसका असर भी लोगों तक पहुंचना चाहिये।

एक जवाबदेह चुनावी घोषणा पत्र की दरकार...

■ नरेश कौशल

देश में आम चुनावों के बाद हो रहे विधानसभा चुनावों में एक बार फिर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का खेल जोर-शोर से चल रहा है। जनता में राजनीतिक दलों की घटती साख और रीति-नीतियों के प्रति जनता में उपजे अविश्वास के बीच राजनेता मुफ्त का खतरनाक खेल खेल रहे हैं। वे लोकलुभावन का शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। वे मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन की कहावत को अपना रहे हैं। उन्हें पता है कि मुफ्त के माल का पैसा कौन-सा उनकी जेब से जा रहा है। बोझ तो सरकारी खजाने पर पड़ेगा। दुर्भाग्य से देश में ऐसी कोई नियामक व्यवस्था नहीं बन पायी कि मुफ्त की रेवड़ियों के खर्च की जवाबदेही नेताओं व राजनीतिक दलों के लिये तय की जा सके। चुनाव आयोग भी इस घातक रिवाज पर रोक लगाने में विफल ही लगता है। हकीकत यह है कि जब तक हम जनता को जागरूक नहीं करेंगे और जनता ही नेताओं पर दबाव नहीं बनाएगी, तब तक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

वैसे हकीकत यह है कि जब तक जनता जागरूक नहीं होगी, राजनीतिक दलों के मुफ्त के वादों के घोषणापत्रों पर लगाम नहीं लगेगी। यह एक हकीकत है कि सरकारों व राजनीतिक दलों के तमाम थोथे दावों के बावजूद हम देश के अधिसंख्य नागरिकों को राजनीतिक रूप से इतना सजग-सचेत नहीं कर पाए हैं कि वे मुफ्त के प्रलोभनों, जाति, धर्म व क्षेत्रीयता की संकीर्णताओं से उठकर मतदान कर सकें। यदि देश का अधिसंख्य मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक होता तो मुफ्त की रेवड़ियों को वह ठुकरा देता। हकीकत में जागरूक नागरिकों व लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग स्वयंसेवी संस्थाओं को सर्वप्रथम किसी भी राज्य या देश के मौजूदा बजट का आकलन करना होगा। यह कि राज्य को किन-किन स्रोतों से राजस्व प्राप्त हो रहा है। कितना ऋण राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से लिया गया है। राज्य पर कुल ऋण का कितना बोझ है। उस पर कितना ब्याज लगातार राज्य को देना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक दलों व नेताओं को जनता को बताना होगा। मतदाताओं को अहसास कराना होगा कि उसके पास कितनी चादर है और उसे कितने पैर पसारने होंगे।

एक बात तो तय है कि देश-प्रदेश के आर्थिक स्वास्थ्य के हित में हर हाल में लोकलुभावन घोषणाओं और मुफ्त की रेवड़ियों का प्रचलन बंद करना ही होगा। मतदाताओं में राष्ट्र और प्रदेश पहले है, की भावना जाग्रत करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मुफ्त में राशन बांटकर जनता को सरकार पर आश्रित बनाये रखने की नीति बदलनी होगी ताकि लोग नाकारा होकर न रह जाएं। लोगों को सरकारी बैसाखी देने के बजाय उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाया जाए। उन्हें मुफ्त राशन देने के बजाय सस्ता लोन दिया जा सकता है ताकि वे अपना काम धंधा शुरू करके आत्मनिर्भर हो सकें। यह लोककल्याण स्थायी होगा और बहुत संभव है कि यदि ऋण लेने से वे कोई काम-धंधा चला सकें तो दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। सरकार व राजनीतिक दलों को सरकारी कर्मचारियों व वेतनभोगियों को बजट की वास्तविक स्थिति से भी अवगत कराना होगा। होता यह है कि राज्य की वास्तविक आर्थिक स्थिति को जानते हुए भी कर्मचारी संगठन सुविधाओं को बढ़ाने के लिये आंदोलन करते रहते हैं। उन्हीं से राय लेनी होगी कि यदि उनके वेतन-भत्ते बढ़ाने हैं तो बजट में उस राशि की पूर्ति आय के किन स्रोतों से की जा सकती है।

एक बात तो तय है कि निश्चित रूप से फ्री बिजली और पानी की नीति बंद करनी होगी। हां, शुद्ध पेयजल व शुद्ध पर्यावरण निःशुल्क पाना नागरिकों का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर बजट में शिक्षा, जन स्वास्थ्य सेवाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का कल्याण, महिलाओं के उत्थान हेतु पौष्टिक आहार जुटाने तथा समाज व बाल कल्याण हेतु अधिकतम प्रावधान होना चाहिए। दूसरी ओर शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों, खेलकूद संस्थानों आदि के लिये प्राथमिक आधार पर बजट की दरकार रहेगी। शिक्षा के स्वरूप में एकरूपता होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए कि सरकारी स्कूलों के शिक्षा का स्तर निजी स्कूलों से बेहतर, नहीं तो कम से कम उनके बराबर तो हो। आम आदमी सरकार ने दिल्ली में जिस शिक्षा नीति को लागू किया, उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इसी तरह मोहल्ला क्लीनिक के प्रयोग को भी सराहा गया है। एक आदर्श घोषणा पत्र में ऐसी सुविधाओं का प्रावधान तो होना ही चाहिए। वहीं वोट जुटाने के लिये अवैध बस्तियों को वैध बनाने का जो दुर्भाग्यपूर्ण खेल शुरू हुआ है, उसका घातक असर नागरिक सेवाओं पर पड़ रहा है। जिन लोगों ने ईमानदारी से मेहनत की कमाई से कानूनी रूप से वैध मकान बनाए हैं और उसकी बड़ी कीमत चुकाई है, उन्हीं को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है। अवैध रूप से बसायी गई इन बस्तियों के लिये बिजली, पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधायें देने का नकारात्मक प्रभाव वैध बस्तियों के नागरिकों पर पड़ रहा है। जरूरतमंद नागरिकों हेतु छत या बस्ती बसाने के लिए योजनाबद्ध नीतियां बनायी जानी चाहिए।

उधर, बजट में आम आदमी की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। विभिन्न गोष्ठियों में लोगों की बजट के बारे में राय लेनी होगी कि राज्य की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर रखते हुए कैसा बजट बनाया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों को मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से बचना होगा। ताकि करदाताओं पर करों का अतिरिक्त बोझ न पड़े। आखिरकार इस फ्री राशन का बोझ देश की मध्यवर्गीय जनता की जेब पर ही पड़ता है। जिसकी वजह से मध्यवर्ग पिसता है- अमीर और गरीब के पाट के बीच में। सही अर्थों में होना तो यह चाहिए कि राज्य की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने को कदम उठाये जाएं। राज्य सरकार पर जो करोड़ों रुपये का ऋण का बोझ है, उसे उतारने के उपाय घोषणा पत्र में दर्ज हों कि कर चुकाने के लिये सभी किस तरह से सहयोग करेंगे।

जैसे कि पहले कहा गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिये ज्यादा बजट का प्रावधान होना चाहिए। दवाइयां सस्ती करने के लिये विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। किसानों के लिये खाद, बीज, कीटनाशक व सिंचाई की सुविधा तथा खेती में काम आने वाले उपकरण मसलन ट्रैक्टर आदि सस्ते मूल्य पर उपलब्ध कराये जाएं। बजाय कि ऋण माफ करने तथा सस्ती बिजली-पानी देने के। यदि हम किसान की कृषि उत्पादन की लागत कम कर देंगे, तो फिर किसान की सरकार पर निर्भरता कम हो जायेगी। सत्ताधीशों को याद रखना चाहिए कि सरकार का पहला फर्ज लोककल्याणकारी शासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना होता है। बच्चों के लिये सस्ती एवं गुणवत्ता वाली शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। सत्तर वर्ष से ऊपर के लोग सरकार की प्राथमिकता में हों। उनके लिये निःशुल्क चिकित्सा की व्यवस्था हो। साथ ही बदलते सामाजिक दौर में असहाय स्थिति में रह रहे बुजुर्गों के लिये गुणवत्ता वाले निःशुल्क वृद्धाश्रमों की व्यवस्था भी बड़े पैमाने पर की जाए। इसके बावजूद यदि राजनीतिक दलों व नेताओं को कुछ मुफ्त बांटने की ज्यादा ही इच्छा हो तो वे अपने या पार्टी फंड से ऐसी व्यवस्था करें। साथ ही पार्टी फंड से जनकल्याण के बजट में योगदान करें। चुनाव के दौरान प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अरबों रुपये जैसे पानी की तरह बहाये जाते हैं, यदि उसी धन को कमजोर वर्गों के कल्याण व नागरिक सुविधाएं सुधारने के लिये लगाया जाए तो जनता का ज्यादा भला होगा। अब वक्त आ गया है कि देश की जनता, जागरूक स्वयंसेवी संस्थाएं तथा राजनीतिक दल इस समस्या का सार्थक समाधान निकालें। ■ साभार

आज का इतिहास

- 1340 इंग्लैंड और फ्रांस ने निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1396 यूरोप में ओटोमन युद्ध - बेइज़दि इडेफ़ के तहत ओटोमन सेनाओं ने एक ईसाई गठबंधन का नेतृत्व किया, जो वर्तमान में निकोपोल, बुल्गारिया के पास निकोपोलिस की लड़ाई में हंगरी के सिगिस्मंड के नेतृत्व में था।
- 1639 अमेरिका के कैंब्रिज (मेसेचुएट्स) में पहली प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत हुई।
- 1775 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध नायक एथन एलन को बंदी बना लिया।
- 1775 मॉन्ट्रियल पर ब्रिटिश सेनाओं से कब्जा करने के अपने प्रयास में एथन एलन और अमेरिकी और क्यूबेक मिलिशिया का एक छोटा बल विफल हो गया।
- 1777 ब्रिटिश जनरल विलियम होवे ने फिलाडेल्फिया को जीत लिया।
- 1790 पेकिंग ओपेरा तब पैदा हुआ था जब चार ग्रेटअनहुई मंडलों ने कियानगोंग सम्राट के अठारहवें जन्मदिन के सम्मान में बीजिंग में अनहुइ ओपेरा की शुरुआत की थी।
- 1790 पेकिंग ओपेरा तब पैदा हुआ जब चार महान अनहुइ ने अनियन ओपेरा को कियानलंग सम्राट के अठारहवें जन्मदिन के सम्मान में बीजिंग में पेश किया।
- 1844 कनाडा और अमेरिका के बीच न्यूयॉर्क में पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला गया।
- 1844 1 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कनाडा ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 23 रनों से हराया।
- 1845 फाई अल्फा लिटरेरी सोसाइटी की स्थापना की गई।

कर्ज के दलदल में डूब रहा है मप्र के नौजवानों का भविष्य

■ कमलनाथ

मध्य प्रदेश भारत का हृदय प्रदेश है। अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा और वन्य जीवन ने इसे पूरे देश में विशिष्ट स्थान दिया है। किसानों की मेहनत से मध्य प्रदेश सोया प्रदेश कहलाता है तो अपने घने जंगलों में बड़ी संख्या में विचरण करने वाले बाघों के कारण इसे पूरे देश में बाघ प्रदेश का दर्जा भी मिला हुआ है। मध्य प्रदेश के लोग ईमानदार और मेहनती हैं। इस तरह से देखा जाए तो मध्य प्रदेश के पास देश के सबसे आगे बढ़ते हुए समृद्ध राज्य होने की सारी संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन इतना सकारात्मक वातावरण होने के बावजूद पिछले कुछ वर्ष से यह देखा जा रहा है कि मध्य प्रदेश की सरकार प्रदेश को कर्ज के दलदल में डुबोती जा रही है। अगर आंकड़ों पर निगाह डालें तो अब तक मध्य प्रदेश के ऊपर करीब 4 लाख करो? रुपए का कर्ज हो चुका है। प्रदेश सरकार ने योजनाओं पर जो खर्च घोषित किया है उसकी पूर्ति के लिए चालू वित्त वर्ष में ही मध्य प्रदेश सरकार को रिकॉर्ड 88540 करोड रुपए कर्ज लेना पड़ेगा। पिछले वित्त वर्ष में प्रदेश सरकार ने 55708 करोड रुपए कर्ज लिया था। इस तरह एक वित्त वर्ष में ही कर्ज में 38त्न की वृद्धि होने जा रही है। मध्य प्रदेश में पहले भाजपा की शिवराज सिंह चौहान सरकार और अब डॉक्टर मोहन यादव की सरकार लगातार कर्ज लेती चली जा रही है। पिछले 5 वर्ष में प्रदेश सरकार ने सिर्फ कर्ज के ब्याज के रूप में एक लाख करोड रुपए चुकाए हैं। हाल यह हो गया है कि कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए भी मध्य प्रदेश सरकार को कर्ज लेना पड़ता है। प्रदेश सरकार के बजट में कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए अलग से मद बनाना पड़ता है।

ऐसे में सवाल यह है कि बेतहाशा कर्ज लेकर आखिर मध्य प्रदेश की भाजपा सरकारों ने पिछले कुछ वर्ष में प्रदेश की जनता का क्या भला किया है? प्रदेश की हालत पर नजर डालें तो पेट्रोल और डीजल के ऊपर सबसे ज्यादा वेट लेने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश शामिल है। इस तरह प्रदेश की जनता डीजल और पेट्रोल की सबसे ज्यादा कीमत चुकाने को मजबूर होती है। अगर प्रदेश की बिजली दरें देखें तो भी आप पाएंगे कि देश के बाकी राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश का नागरिक प्रति यूनिट कहीं ज्यादा बिजली का बिल चुका रहा है। वाहनों के रजिस्ट्रेशन और मकान की रजिस्ट्री में भी मध्य प्रदेश सरकार देश के संपन्न राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा टैक्स नागरिकों से वसूल कर रही है।इस तरह से देखा जाए तो एक तरफ तो मध्य प्रदेश के नागरिक कर्ज के बोझ से दब रहे हैं तो दूसरी तरफ वह देश में सबसे ज्यादा टैक्स चुकाने वाले नागरिक हैं। सवाल यह उठता है कि नागरिकों से भरपूर टैक्स वसूल करने के बावजूद प्रदेश सरकार आखिर क्यों अपने संसाधनों से प्रदेश का खर्च नहीं चल पाती और लगातार कर्ज लेती जा रही है?

उदारवादी अर्थव्यवस्था में यह सामान्य धारणा है कि अगर कोई सरकार कर्ज लेती है तो वह जनकल्याण और विकास के कार्यों पर ज्यादा से ज्यादा खर्च करती है। लेकिन मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार जन कल्याण के कार्यों पर अतिरिक्त खर्च करना तो दूर अपने चुनाव घोषणा पत्र में जो वादे किए थे, उन तक को पूरा नहीं कर रही है। पाठकों को याद होगा कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने गेहूं का समर्थन मूल्य ?2700 प्रति क्विंटल और धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल करने का वादा किया था। लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़कर? 3000 प्रति माह करने का वादा भी भारतीय जनता पार्टी ने किया था। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि शिक्षकों को नियमित करने का वादा भी किया था।
प्रदेश में हर महीने 2 लाख नए रोजगार सृजित करने का वादा भी भाजपा ने किया था।इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि 2022 में किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे। लेकिन इनमें से एक भी वादे पर भाजपा सरकार ने अमल नहीं किया है।

यही नहीं, शिवराज सरकार के दौरान मेधावी छात्रों को लैपटॉप और स्कूटी देने की योजना भी चुनाव से ठीक पहले अमल में लाई गई थी। लेकिन मोहन यादव सरकार में ना तो टॉपर छात्रों को लैपटॉप बांटे जा रहे हैं और ना ही किसी को स्कूटी मिली।ऐसा नहीं है कि यह सब करना असंभव है।2019 में मेरे मुख्यमंत्री कार्यकाल में विकलांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन की राशि बढ़ाकर दोगुनी की गई थी। संबल योजना की जगह नया सवेरा योजना लाकर श्रमिक वर्ग को आर्थिक लाभ पहुंचाए गए थे। ?100 में 100 यूनिट बिजली उपलब्ध कराई गई थी। इसके अलावा पहले चरण में 27 लाख किसानों का कर्ज भी कांग्रेस सरकार ने माफ किया था। 1000 गौशालाओं का निर्माण कराया गया था और महाकाल कॉरिडोर के निर्माण के लिए 355 करोड रुपए आवंटित किए थे।

इस तरह के कल्याणकारी कार्यों पर बड़ी मात्रा में बजट आवंटित करने के बावजूद मेरी सरकार के दौरान कर्ज लेने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया गया था।यह सब उदाहरण इसलिए पाठकों के सामने रखे जा रहे हैं ताकि यह तस्वीर साफ हो कि अगर सरकार वाकई कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य करना चाहती है तो प्रदेश को अनावश्यक कर्ज के दलदल में डाले बिना भी जनकल्याण के काम किये जा सकते हैं। मैंने अपने कार्यकाल में सरकारी आयोजन, प्रदर्शनों, विज्ञापनों और इवेंटबाजी पर फिजूल खर्ची को अत्यंत सीमित कर दिया था। इससे सरकारी खजाने पर बोझ में कमी आई थी। लेकिन इस तरह की कोई सोच वर्तमान सरकार में नजर नहीं आती। बल्कि इस बात का शक होता है कि भाजपा सरकारें जानबूझकर इस तरह की परियोजनाओं को मंजूरी दे रही हैं, जिनमें जनकल्याण कम और भ्रष्टाचार के माध्यम से सत्ताधारी पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं का कल्याण अधिक हो। आप सब जानते हैं कि किस तरह शिवराज सरकार और अब मोहन सरकार में ÷पैसा दो, काम लो÷ का मंत्र जपा जा रहा है। इस तरह के मामलों की अगर निष्पक्ष जांच हो तो भ्रष्टाचार और इसके संरक्षकों के नाम जनता के सामने स्पष्ट रूप से आ जाएंगे। लेकिन जांच के बिना भी निर्माण कार्यों में होने वाला भ्रष्टाचार तो समय-समय पर जनता के सामने आता ही रहता है। महाकाल लोक में मूर्तियों का गिरना और अभी पिछले दिनों महाकाल मंदिर के पास एक दीवार ढह जाने से दो लोगों की मृत्यु हो जाना निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार का उदाहरण हैं। बारिश के मौसम में प्रदेश की सड़कें जिस तरह से उखड़ गई हैं, वह बताता है कि निर्माण कार्यों में किस तरह का घोटाला हुआ है। नर्सिंग घोटाला, व्यापम घोटाला, पटवारी भर्ती घोटाला, आरक्षक भर्ती घोटाला, सतपुड़ा भवन में बार-बार आग लगना, भाजपा के भ्रष्टाचार के जीते जागते सबूत हैं। अगर फिजूल खर्ची को समझना है तो भोपाल के बीआरटी कॉरिडोर को देखा जा सकता है कि पहले तो सैकड़ों करोड़ की लागत से इसका निर्माण कराया गया। इसके कारण कई वर्ष तक जनता को परेशानी भुगतनी पड़ी और बाद में कई 100 करो? रुपए खर्च करके इसे तोड़ा गया। अब समय आ गया है कि जनता के प्रति ईमानदारी दिखाते हुए राजकोष के धन का इस्तेमाल ईमानदारी, पारदर्शिता और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। अगर इस तरह से वित्तीय अनुशासन नहीं अपनाया गया तो प्रदेश दिवालियापन की कगार पर पहुंच जाएगा। यह सब परिस्थितियों बहुत काल्पनिक नहीं हैं। हम देख चुके हैं कि कुछ वर्ष पूर्व इसी तरह के बेतहाशा कर्ज के कारण ग्रीस दिवालिया हो गया था। हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका कर्ज के दलदल में फंसकर अपने सामरिक महत्व के ठिकाने एक अन्य देश को सौंपने को मजबूर हुआ है और कुछ वर्ष पूर्व वहां का कर्ज़ का संकट राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल गया था। हाल के दिनों में पड़ोसी देश बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और जन विद्रोह के बीज भी वित्तीय अनुशासन की कमी में छुपे हुए हैं। बुद्धिमान व्यक्ति वही होता है जो दूसरे के साथ हुए हादसों से सबक ले।

वित्तीय अनुशासन के साथ ही दूसरा काम मध्य प्रदेश की सरकार को यह करना चाहिए कि प्रदेश के संसाधनों को और अधिक विकसित करे। प्रदेश के मानव संसाधन का अधिकतम उपयोग हो सके तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र का निवेश मध्य प्रदेश में बढ़ाया जाए। यह निवेश उस तरह की बिजनेस समिट से नहीं आ सकता जैसी कि पहले शिवराज जी और अब मोहन यादव जी कर रहे हैं। इन सम्मेलनों का उद्देश्य प्रदेश में निवेश लाने से ज्यादा अखबारों में प्रायोजित खबरें छपवाने का है। शिवराज जी के पूरे कार्यकाल में जितने निवेश का दावा किया गया था, उतना निवेश तो पिछले 10 वर्ष में पूरे देश में नहीं आ सका है। इसलिए हैडलाइन मैनेजमेंट करना एक बात है और प्रदेश में सच्चा निवेश लाना दूसरी बात है। निवेश के लिए सबसे बड़ी चीज है- भरोसा। लेकिन जब प्रदेश की कानून व्यवस्था ही सुरक्षित ना हो, प्रदेश में दलित आदिवासी और महिलाओं पर अत्याचार की खबरों से अखबार रंगे हुए हों तो प्रदेश के बाहर का उद्योगपति प्रदेश को लेकर क्या छवि अपने मन में बनाएगा? मोहन सरकार की बुलडोजर नीति ने जनता के मन में और निवेशकों के मन में भी यह बात बैठा दी है कि प्रदेश में कानून का शासन नहीं है। मुख्यमंत्री जो स्वयं गृहमंत्री भी हैं उन्हें इन बातों पर बहुत ध्यान देने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी कहा करते थे कि सरकार वही है जो शांति स्थापित करे लेकिन यहां तो ऐसा लगता है कि भाजपा के नेताओं में ही प्रदेश में अशांति पैदा करने की होड़ लगी हुई है। इसलिए मध्य प्रदेश सरकार को सबसे पहले वित्तीय अनुशासन अपनाना होगा फिर अपनी प्राथमिकताएं तय करनी होगी, उसके बाद भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना होगा, प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य करनी होगी, प्रदेश में सच्चा निवेश लाना होगा, तब जाकर मध्य प्रदेश को कर्ज के दलदल से बचाया जा सकेगा। और जब कर्ज का बोझ कम हो जाएगा तब जनता के ऊपर टैक्स का बोझ कम करने की शुरुआत की जा सकेगी। इस तरह से प्रदेश की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और खाली पड़े सरकारी पदों को भरा जाएगा, अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी, समाज के वंचित वर्गों की पेंशन में वृद्धि की जा सकेगी और एक खुशहाल मध्य प्रदेश का निर्माण किया जा सकेगा। अगर इस चुनौती पर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया तो कर्ज का यह मर्ज मध्य प्रदेश के नौजवानों के भविष्य को अंधकार में डुबा देगा। इसलिए सत्ता के निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर प्रदेश के भविष्य पर ध्यान देना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए।

■ लेखक मप्र के मुख्यमंत्री रहे हैं।

समय से बड़ा गुरु और
सब्र से बड़ा निवेश कुछ
नहीं होता...!!!
समय और सब्र को दोनों
को समय दीजिए फिर कुछ
वक्त बाद जीवन में चल रहे
तमाशे का आप स्वयं आनंद
लीजिएगा..।।

निशाना

दिन बचे कुछ शेष !

ना बख्शेंगे किसी को ।
बनी यदि सरकार ।।
दिन बचे कुछ शेष ।
है रहना तैयार ।।
कुछ दिन की मनमानी ।
चाहे जो कर डालो ।।
हमको ही है लौटना ।
खुद को अब संभालो ।।
सबका हमको ध्यान ।
भूल नहीं ये जाना ।।
करके रहेंगे पेश कुछ ।
अलग अब नज़राना ।।
भले बचा ना पाए ।
अपनी हम सरकार ।।
लेकिन कूद लगाने को ।
हो रहे तैयार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

असामाजिक तत्वों से परेशान वार्ड वासियों ने सौंपा ज्ञापन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को वार्ड क्रमांक 19 के पार्षद एवं वार्ड में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं वार्ड वासियों ने आसामाजिक तत्वों के द्वारा वार्ड में दारू पीकर महिलाओं से छेड़खानी एवं गाली गलौज चोरी करना एवं लोगों को धमकाना को लेकर नगर थाना इटारसी में थाना प्रबंधक इटारसी को इस संबंध में ज्ञापन दिया गया है।

जिला स्तरीय शतरंज में विजेता रहे विद्यार्थियों का संभागीय स्तर पर चयन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार महाविद्यालयीन जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय माखन नगर में आयोजित की गई। जिसमें नर्मदा कॉलेज के विद्यार्थी डॉ आलोक मित्रा के संरक्षण में सम्मिलित हुए। डॉ संध्या गौर ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में महाविद्यालय के मोहित ठाकुर, समर्थ पटवा,शशांक नागा एवं महिला वर्ग में श्रृद्धा सोनी विजेता प्रतिभागी घोषित किए गए । जबकि हर्ष कुमार और आयुष शर्मा ने भी अच्छे खेल का प्रदर्शन किया।इस अवसर पर प्राचार्य

डॉ अमिता जोशी ने विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी संभाग स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं।खेलों में भी अपना कैरियर बनाया जा सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी अपनी हिस्सेदारी अवश्य करें।

पत्नी को बचाने में करंट से झुलसकर पति की मौत

छिंदवाड़ा। जिले जुन्नारदेव के चटुआ में सोमवार को एक युवक करंट से झुलसी अपनी पत्नी को बचाने के चक्कर में खुद करंट से झुलस गया और अपनी जान गवां बैठा। जिसके बाद पूरे गांव में हडकंप मच गया। पुलिस के मुताबिक घटना सोमवार की है। नवेगांव के चटुआ निवासी राजू उईके पिता तेजलाल उईके (45) सोमवार को अपने घर में पूजा कर रहा था, उस दौरान रसोई में काम कर रही उनकी पत्नी अचानक करंट से झुलस गई। पत्नी की आवाज सुनकर वह दौड़ा और पत्नी को धकेल दिया, जिससे बिजली के तार में उलझी उसकी पत्नी तो बच गई लेकिन वह खुद झुलस गया, जिससे वह बेसुध हो गया। परिजन तत्काल उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर आए जहां पर डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि पीएम के बाद उसका शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पूर्व विधायक का रिश्तेदार है मृतक

जानकारी के मुताबिक मृतक राजू उईके पूर्व विधायक नत्थनशाह कवडेती के भाई का दामाद था। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं उनकी पत्नी भी घटना के बाद से बेसुध बताई जा रही है।

जनपद टिमरनी कार्यालय में कर्मचारी की मूल नस्ती ही गायब

नियमविरुद्ध नियुक्त कर्मचारी को दे डाला लाखों का वेतन...!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

हरदा जिले की जनपद पंचायत टिमरनी में सहायक ग्रेड-3 पर पदस्थ कर्मचारियों नरवरे की कार्यालय में नियुक्ति संबंधी जानकारी की फाइल गायब है फिर भी वह दबंगता से अपनी नौकरी कर रहा है। इतना ही नहीं जनपद के द्वारा इस कर्मचारी को पदोन्नति करके सहायक ग्रेड-2 में पदोन्नत करने के प्रयास भी किये जा रहे हैं।अपने कार्य में लापरवाही बरतने के कारण नरवरे को एक बार निलंबित भी किया जा चुका है लेकिन भ्रष्टाचार की परंपरा में सांठ गांठ बनाकर उन्होंने अपने पद को बरकरार रखा।

जनपद पंचायत की ऑडिट रिपोर्ट में भी इस सहायक ग्रेड कर्मचारी की नियुक्ति को अवैध बताया गया है। और पद से हटाने की बात कही गई है। उनके द्वारा जो वेतन प्राप्त किया गया है उसकी वसूली के लिए भीअधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। लेकिन ऑडिट रिपोर्ट की गंभीर आपत्तियों को लेकर विभागीय अधिकारी मौन धारण किए हुए हैं। बताया जाता है कि यह सब भ्रष्टाचार के चलते ही हो रहा है।

मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से

जनपद पंचायत टिमरनी में पदस्थ रहे सहायक ग्रेड-2 मदन तोमर को अप्रैल वर्ष 2024 में सेवा निवृत कर दिया गया है। जनपद पंचायत चाहती तो इस अनुभवी

अब मामले की पर्दादरी के प्रयास

सूत्रों से पता चला है कि नियम बिरुद्ध तरीके से नियुक्त हुए सहायक ग्रेड- 3 नरवरे द्वारा जनपद अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अपने पक्ष में कार्रवाई करने के लिए प्रलोभन भी दिया जा रहा है। यह बात कितनी सच है इसकी तो पुष्टि नहीं की जा सकती लेकिन नरवरे को सहायक ग्रेड -2 पर पदोन्नति किए जाने के जो प्रयास किये जा रहे हैं उसे देखकर लगता है की दाल में जरूर कुछ काला है बल्कि कुछ लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है।

कर्मचारी को 2 वर्ष का एक्सटेंशन दे सकती थी लेकिन ऐसा ना करके जनपद पंचायत द्वारा बिना नियम के भर्ती हुए कर्मचारी नरवरे को सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2 पर पदोन्नति करने के नियम विरुद्ध प्रयास किये जा रहे हैं।

जनपद अध्यक्ष पर इस नियम विरुद्ध पदोन्नति के प्रयास को लेकर कई तरीके के आरोप लग रहे हैं। अप्रैल में सेवा निवृत हुए सहायक ग्रेड 2 तोमर द्वारा जनपद पंचायत के इस मामले को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत कर नरवरे की नियुक्ति के प्रकरण को लेकर अवगत कराया है। जनपद पंचायत में जन चर्चा है कि जिस कर्मचारी की नियुक्ति संबंधी फाइल ही दफ्तर से गायब है उसे जनपद पंचायत टिमरनी द्वारा किस आधार पर वेतन दिया जाता रहा। जिस अधिकारी के कार्यकाल में उन्हें नियम बिरुद्ध तरीके से वेतन दिया जाता रहा उस अधिकारी से संपूर्ण राशि की वसूली होना चाहिए।

बैतूल में महसूस किए गए भूकंप के झटके

महाराष्ट्र का अमरावती रहा केंद्र

बैतूल, दोपहर मेट्रो।

जिले में सोमवार दोपहर को बैतूल जिले के अलग-अलग हिस्सों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का सबसे अधिक प्रभाव अमरावती में देखा गया, जबकि बैतूल के भैंसदेही और भीमपुर ब्लॉक में भी कंपन महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता मध्यम बताई गई है और इसका केंद्र महाराष्ट्र का अमरावती बताा गया।

जानकारी के अनुसार, बैतूल जिले के भैंसदेही, भीमपुर और आठनेर क्षेत्रों में सोमवार दोपहर करीब 1.37 बजे भूकंप के झटके आए। धरती में अचानक हुए कंपन से लोग सतर्क हो गए और तुरंत घरों से बाहर निकल गए। भूकंप के झटकों के बारे में लोग आपस में चर्चा करते रहे और सोशल मीडिया पर भी इस घटना को लेकर पोस्ट्स की बाढ़ आ गई। कुनखेड़ी निवासी वासनिक और पंडी बाबूजी ने बताया कि उन्होंने 1.37 बजे के आसपास धरती में हल्का कंपन महसूस किया, जिसके बाद आस-पास के लोग घबराकर घरों से बाहर आ गए। उन्होंने अमरावती के अपने परिचितों से भी संपर्क किया, जिन्होंने

भी झटकों की पुष्टि की। हालांकि भूकंप के झटके कुछ ही सेकंड के लिए महसूस किए गए थे, लेकिन किसी प्रकार की जनहानि की कोई खबर नहीं है। भैंसदेही क्षेत्र, जो महाराष्ट्र की सीमा से सटा है, वहां सबसे ज्यादा झटके महसूस किए गए। दामजीपुरा और कुनखेड़ी के ग्रामीणों ने भी भूकंप के झटके महसूस किए। दामजीपुरा के वासनिक ने बताया कि लगभग डेढ़ से दो बजे के बीच अचानक धरती में हल्का कंपन हुआ, जो कुछ सेकंड तक रहा और फिर बंद हो गया। इसके बाद से ही भूकंप की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी, और लोग एक-दूसरे से घटना की जानकारी लेते रहे। हालांकि भूकंप से किसी प्रकार की बड़ी क्षति की सूचना नहीं मिली है।

पुलिस ने एनएच 44 पर मवेशियों से भरे कंटेनर पकड़ा

सागर। जिले की मालथौन थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे 44 पर मवेशियों से भरे एक कंटेनर को पकड़ा है। पकड़े गए कंटेनर में 60 मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि मालथौन पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में बड़ी संख्या में मवेशियों को भरकर केरल भेजा जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने नेशनल हाईवे 44 पर घेराबंदी की। जैसे ही कंटेनर क्रमांक आरजे 44 जीए 2885 वहां पहुंचा, उसे रोका गया और तलाशी लेने पर उसमें 60 मवेशी ठूंस-ठूंस कर भरे पाए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के इटावा से कंटेनर लेकर केरल जा रहे थे। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पोषण माह कार्यक्रम का हर्षोल्लास पूर्ण समापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

म. प्र शासन महिला एवं बाल विकास विभाग की मंशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी ललित डेहरिया के मार्गदर्शन में पोषण माह का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया। सोमवार 30 सितबंर को मेन बोर्ड स्कूल में सेक्टर 1 का सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती लता नागराज द्वारा पोषण माह की प्रतिदिन की गतिविधियों का अवलोकन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। सेक्टर की समस्त कार्यकर्ता द्वारा प्रदर्शनी में प्रदर्शित खाद्य पदार्थ में पोषण एवं स्वाद का विशेष ध्यान रखा गया जिसमें बच्चे उक्त व्यंजनों का सेवन रुचि पूर्वक कर सके। उक्त कार्यक्रम में क्षेत्र की माताओं को उक्त पोषण आहार की जानकारी दी गई।

सेवानिवृत पर दी विदाई

इटारसी। कृषि उपज मंडी समिति इटारसी में सहायक उप निरीक्षक के पद पर जीवन पाठक के सेवानिवृत्त कार्यकम अवसर पर मंडी परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडी अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा एवं वर्तमान भारसाधक अधिकारी टी-प्रतीक राव के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ । उक्त कार्यक्रम में मण्डी परिवार के प्रभारी सचिव के0सी0 वामलिया एवं विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र पटैल एवं मंडी व्यापारी अजय खन्ना, आशुतोष अग्रवाल, मंटू ओसवाल सहित एवं पूर्व सेवा निवृत्त सभी कर्मचारी गण की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रेमनारायण उज्जैनिया सहायक उप निरीक्षक, स्वागत एवं राजेश इंगले द्वारा किया गया।

अपर कलेक्टर ने सेवा सहकारी समिति भैरोपुर के रिकॉर्ड जप्त कर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा सेवा सहकारी समिति भैरोपुर में 29 सितंबर को पूर्व सूचना देकर आम सभा आयोजित की गई थी जिसमें प्रशासक रामबाबू रघुवंशी की उपस्थितीथी में किसानों ने समिति प्रबंधक राजेन्द्र लौवंशी पर अभद्रता करने का आरोप लगाया था।वार्षिक आय व्यय का व्योरा प्रस्तुत किया जाना था लेकिन प्रबंधक राजेन्द्र लौवंशी द्वारा किसी भी प्रकार की कोई जानकारी किसानों को नहीं दी गई। किसानों ने इससे संबंधित एक ज्ञापन कलेक्टर,उप पंजीयक सहकारी संस्था, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक नर्मदा पुरम के नाम लिखा है,उस दौरान उपस्थित सभी किसानों ने अपने हस्ताक्षर कर दिनांक

30/9/2024 को कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर देवेंद्र सिंह को सौंपा,अपर कलेक्टर ने उप सहायक आयुक्त सहकारिता (उप पंजीयक सहकारी संस्था) शिवम् मिश्रा को कार्यालय मे बुलाकर रिकार्ड जब्त कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

क्या है पूरा मामला

जिला सहकारी बैंक का लगभग सन् 2017- 2018 में बोर्ड भंग हो चुका है जिसके प्रशासक डीएम हैअब जिला सहकारी बैंक के बोर्ड को फिर से बहाल करने के लिए बहाल करने के लिए जिला सहकारी बैंक समितियां में चुनाव होने का अनुमान लगाया जा रहा हैं। बीच में भी लगभग लगभग जिला सहकारी बैंक के चुनाव का विपुल बज चुका था लेकिन किन कारणों से चुनाव आगे बढ़ गए यह कह पाना तो मुश्किल है लेकिन फिर से चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो चुकी है। चुनाव में नई समितियां बनेगी और हर समिति में अध्यक्ष बनाए जाएंगे उन डायरेक्टरो में से एक को चुन कर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष होगा।

मेट्रो एंकर तिरुपति प्रसादम के दोषियों को फांसी की सजा की मांग

प्रसादम कांड से आहत हिंदू संगठनों ने निकाली रैली

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

परिवारजन अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं और हमारे बच्चों ने हमारे सनातन धर्म के हीरो कहे जाने वाले श्रीराम, श्रीकृष्ण और ऐसे अनगिनत महान व्यक्तित्व को छोड़कर थोड़े से पैसों के लिए पाश्चात्य संस्कृति की गलत बातें करने और सिखाने वाले लोगों को अपना आदर्श मान लिया है। यह हमारे समाज का लूप पॉइंट है। जिसके जरिए विधर्मी और सनातन पर हमला करने वाले लोग हमारे खिलाफ साजिशें रच रहे हैं।

आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसादम को अशुद्ध और पवित्र करने के पीछे भी ऐसे ही सनातन विरोधी लोगों की मानसिकता एवं कार्यशेली है। हिंदू और सनातनी हमेशा विश्व कल्याण की बात करता है हम हर धर्म, हर जीव के भले की कामना करते हैं। लेकिन हमारी अच्छाईयों का फायदा उठाकर दूसरे धर्म के लोग हमारे खिलाफ षडयंत्र करते है। हमारे युवा वर्ग को यह समझने की आवश्यकता है कि उनके आदर्श कोई गंदे, भद्दे और अश्लील गानों पर नाचने वाले, नशा करने वाले, कुंठित मानसिकता के लोग नहीं होने चाहिए। साथ ही यह चिंता परिवार जनों को भी करना चाहिए।

उक्त सभी बातें सीतारामाचार्य भागवत गोष्ठी न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकृष्णाचार्य युवराज स्वामी जी महाराज ने जयस्तंभ चौक पर तिरुपति प्रसादम के विरोध में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने मंच से सभा में बैठे विप्र बंधुओ से आग्रह करते हुए कहा कि आप अपने यजमानो को साफ तौर पर यह कहें कि पूजा के घी के नाम पर बिकने वाला अपवित्र द्रव्य जिसमें चर्बी होने की संभावना रहती है। उसे किसी भी पवित्र कार्य पूजन आदि में उपयोग में ना लाएं। घर में होने वाली पूजा पाठ में सिर्फ और सिर्फ शुद्ध घी जिसे खाया जा सकता है उसका ही उपयोग करें और अगर किसी की किसी यजमान की स्थिति शुद्ध घी खरीदने की नहीं है। ऐसी स्थिति में भगवान को सोयाबीन का तेल, सरसों का तेल आदि से भी दीपक लगाया जा सकता है। परंतु किसी भी सूरत में पूजा के घी के नाम पर बिकने वाला चर्बी युक्त घी भगवान की पूजा में उपयोग नहीं होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों आंध्रप्रदेश के तिरुपति तिरुमाला मंदिर में लड्डू प्रसादम में मिलावट के बाद देश भर में हिंदू संगठनों के विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही है। प्रसादम में चर्बी और मछली तेल की मिलावट से हिंदू भावनाएं आहत हुई है।

डेंगू का लार्वा नष्ट करने और दो अतिरिक्त फागिंग मशीन खरीदने के एसडीएम ने दिए निर्देश

डेंगू मार रहा है डंक, जिम्मेदार बेपरवाह, गंदा पानी निकलने का नहीं है इंतजाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार के अंक में हमारे संवादाता ने डेंगू मार रहा है डंक जिम्मेदार बेपरवाह गंदा पानी निकलने नहीं है इंतजाम शीर्षक के साथ खबर का प्रमुखता से प्रकाशित की थी इसके बाद खबर को संज्ञान में लेते हुए एसडीएम ने नगर पालिका सीएमओ को तत्काल गंदे पानी को निकालने के साथ डेंगू के लावा को नष्ट करने के लिए तत्काल जमीनी स्तर पर काम करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि मच्छरों के प्रकोप से शहर वासियों को बचाने के लिए दो अतिरिक्त फॉगिंग मशीनों को खरीदने के लिए भी दिशा निर्देश जारी किए हैं । इसके साथ ही बीएमओ को भी डेंगू की जांच करके उसकी रोक थाम करने में नगर पालिका का सहयोग करने के लिए भी निर्देश करते हुए कहा कि जांच के लिए वार्ड स्तर पर कैंप भी लगे जिससे कि डेंगू के मामले सामने आने पर तत्काल उनका उपचार हो सके शहर में पिछले कई दिनों से तेजी से डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं। उनकी रोकथाम के लिए अस्पताल प्रबंधन से लेकर नगर पालिका परिषद के द्वारा कदम नहीं उठाए जा रहे है इस वजह से मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। समय र रोकथाम के लिए कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में समस्या विकराल रूप ले लेगी डेंगू के बढ़ते मामलों को लेकर हमारे संवादाता ने सोमवार के अंक में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था इसके बाद प्रशासन के अधिकारी हरकत में है डेंगू के अलावा उसके लावा को नष्ट करने के साथ साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही गई है।

60 स्थानों पर होगी मूर्ति की स्थापना थाना में हुई शांति समिति की बैठक

विद्युत वितरण कंपनी ने एई अनुपस्थित उनके स्थान पर भेज दिया ऑपरेटर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नवदुर्गा रामनवमी गांधी जयंती को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक एसडीम हर्षल चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नवदुर्गा रामनवमी और गांधी जयंती को लेकर चर्चा की गई जिसमें नगर के झांकी समिति के लोग हिंदू उत्सव समिति के लोग विश्व हिंदू परिषद मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा अपनी अपनी बात रखी गई।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर में 60 स्थानो पर मूर्ति की स्थापना होगी और नगर में जहां-जहां मूर्ति की स्थापना होना है उस जगह की साफ सफाई आदि के इंतजाम प्रशासन से करने की अपील की। एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि जैसा पूर्व से होता आया है उन सभी प्वाइंटों पर मूर्ति की स्थापना होती है और अन्य नवीन जगह पर कोई स्थापना करना है तो प्रशासन को अवगत करा दिया जाए जिससे अनुमति लेकर ही मूर्ति की स्थापना करनी है। एसडीम श्री चौधरी ने नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू को निर्देशित किया कि नगर में मांस की दुकानों के आसपास सफाई रखने के निर्देश दिए खुलेआम मास की बिक्री पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने कहा कि अगर फागिंग मशीन की कमी है तो उन्हें मशीन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं जिससे नगर में फैल रहे मच्छर डेंगू आदि से बचाव किया जा सके। वही नगर में पांच स्थानों पर गरबे का आयोजन रखा गया है इसकी अनुमति लेने के निर्देश दिए गए हैं स्थान चिन्हित कर प्रशासन को अवगत करा दिया जाए। वही झांकी के चल समारोह को लेकर समिति के लोगो से चर्चा की गई झांकी किस समय निकल जाएगी उस पर चर्चा की गई।

एई अनुपस्थित - वही विद्युत वितरण कंपनी के ए ई उपस्थित नहीं हुए उनकी जगह एक ऑपरेटर को भेज दिया गया जिस पर एसडीएम श्री चौधरी ने पूछा कि बिजली विभाग से कौन उपस्थित हुआ है एक कर्मचारी खड़े हुए और उन्होंने कहा में उपस्थित हुआ हूं तो एसडीएम ने पूछा कि आप किस पोस्ट पर हो उन्होंने अपने आप को कंप्यूटर ऑपरेटर कहा एसडीएम ने कहा कि आपकी जरूरत नहीं है आप जा सकते हैं आप किसी जिम्मेदार पद पर नहीं है ।

विसर्जन स्थल गणेश विसर्जन वाले ही स्थान पर किया जाएगा। एसडीएम ने नगर के लोगों से अपील की है कि सभी लोग मिलजुल कर त्योहार मनाए। इस दौरान एसडीओपी उमेश तिवारी, थाना प्रभारी संदीप पवार, नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू, तहसीलदार संजय चौरसिया, नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू,, नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, मुस्लिम महासभा के अध्यक्ष एडवोकेट शोएब खांन, मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष डॉ वसीम खांन, अनाज तिलहन व्यापार संघ के अध्यक्ष समीर भार्गव, अल्ताफ खांन, सलमान अमीन, नसीम खांन, सलमान खान, इरफान मंसूरी, रोहित यादव, जगदीश शाक्य, हाफिज शम्स कमर आदि लोग उपस्थित रहे ।

भगवान तो भाव और प्रेम के भूखे होते हैं, भुवनेश्वर महाराज

सिरोंज। ग्राम झंडवा में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा में छठ वे दिन कथा का रसपान कराते हुए कथा वाचक भुवनेश्वर शर्मा ने भगवान कृष्ण द्वारा कंस उद्धार, जरासंध वध तथा भगवान के द्वारा की गई लीला का वर्णन किया । जिस प्रकार भगवान रुक्मणि जी को कुंडनपुर से ले कर आए उनके भाई ने रुक्मणी का विवाह शिशुपाल से तय कर दिया था । आचार्य श्री ने बताया भगवान श्री कृष्णा ने द्वारिका वासियों के मन को प्रसन्न करने के लिए अनेक प्रकार लीलाएं की, जिनमें प्रमुख 16108 विवाह की लीला हैं । वे अपने भक्तों को कभी कष्ट नहीं होने देते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने कैद से 16100 राजकुमारियों को छुड़ाया जब किसी ने उनको स्वीकार नहीं किया तो भगवान ने उन सभी से हाथ करके उनको स्वीकार किया। इस दौरान महेंद्र सिंह दांगी आदि मौजूद थे।

अनुराग जैन को मुख्य सचिव बनाए जाने पर जैन समाज में हर्ष

सिरोंज। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी और वर्तमान में सड़क परिवहन विभाग में सचिव अनुराग जैन मध्य प्रदेश के अगले मुख्य सचिव होंगे। इस मौके पर आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया व प्रदेष अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन बाफना एंव उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने मुख्य सचिव बनने पर अनुराग जैन को बधाई दी। वही उन्होने कहा कि श्री जैन प्रदेष के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के विष्वासनीय होने के साथ मिलनसार,ईमानदार,धार्मिक व सभी को साथ लेकर चलने वाले व्यकित्व के धनी है। उनकी नियुक्ति से मध्यप्रदेष में विकास कार्यो को ओर गति मिलेगी। श्री जैन जब स्वास्थ्य विभाग में मुख्य सचिव थे तो सिरोंज अस्पताल का निरीक्षण करने के लिए सिरोंज भी आए थें। तब मेरी उनसे रेस्ट हाऊस में मुलाकात हुई थी उन्होने सिरोंज अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए निर्देष दिए थें।

स्वदेशी सप्ताह में बच्चो ने लिया मेरा परिवार स्वदेशी परिवार का संकल्प

स्व आधारित जीवन शैली से ही भारत बनेगा विश्व गुरु : प्रमोद रघुवंशी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लटेरी स्वदेशी जागरण मंच एवम स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर के उद्यमी बृजेश सिंह बघेल, मुख्य वक्ता प्रमोद रघुवंशी, व्यवस्थापक मुकेश रघुवंशी एवं विद्यालय के लेखपाल यशपाल सिंह यादव द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्या अर्पण एवं दीप प्रचलन कर किया गया। इस दौरान नगर के सफल उद्यमी बृजेश बघेल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन एक ऐसा समय होता है जब हमें यह तय करना होता है कि किस दिशा में आगे बढ़ाना है। उन्होंने अपना स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि मैंने बैंक से 45 हजार रुपए का लोन लेकर अपना रोजगार स्थापित किया था। इसके बाद धीरे-धीरे उन्नति करता रहा और आज एक के बाद एक कई व्यवसाय प्रारंभ दिए हैं। वर्तमान में एक शोरूम का भी संचालन कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा दृढ़ निश्चय कर आगे बढ़ना चाहिए। वही इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता के रूप में आए स्वदेशी जागरण मंच के जिला प्रचार प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने कहा की कुछ पाना है तो कुछ खोना पड़ेगा यह सही नहीं है, कुछ पाना है तो कुछ करना पड़ेगा, यह सही है समस्त विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ कमाई के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने ऐसे कई उदाहरण बताए जिसमे लोगों ने पढ़ाई के साथ साथ कमाना सीखा स्वयं का रोजगार स्थापित कर, सफल संचालन कर दूसरों को रोजगार उपलब्ध कराकर असीमित सफलता प्राप्त की है। वही उन्होंने विद्यार्थियों को बेरोजगारी के आंकड़े के साथ बताया कि युवाओं को केवल सरकारी नौकरी पाने के पीछे नहीं दौडना चाहिए। इसकी बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए। हमारे देश में विशाल युवा शक्ति है तथा युवाओं के कौशल विकास से ही भारत स्वालंबी एवं आत्मनिर्भर बनेगा। वो दिन दूर नहीं जब हम युवाओं की इस शक्ति के कारण विश्व गुरु के रूप में स्थापित होंगे। नौकरी को रोजगार न मानें, बल्कि स्वरोजगार, कौशल विकास, स्थानीय उद्योग स्थापित कर दूसरों को रोजगार देने का प्रयास करें। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की दीदी राधा शर्मा ने किया तो वहीं आभार विद्यालय के लेखपाल यशपाल सिंह यादव ने माना। इस दौरान दीदी स्नेहा रैकवार, कीर्ति यादव, पूजा धाकड़, आचार्य दीपेश सेन, शिशुपाल यादव, जगमोहन मालवीय सहित सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

बीमारियों के नियंत्रण हेतु अंतरविभागीय बैठक में जिम्मेदारियां सौंपी गई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिषा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग (डेंगू) नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अंतरविभागीय समन्वय की आपूर्ति हेतु बैठक आयोजित की गई थी।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिन विभागो से सहयोग अपेक्षित है उन विभागो के जिलाधिकारियों के साथ सतत सम्पर्क बनाए रखे और क्या-क्या मदद चाहिए कब चाहिए कैसे प्राप्त करेंगे इत्यादि की कार्य योजना तय कर सहयोग प्राप्त करें। बैठक में विभिन्न विभागो के दायित्वों, सुझावो से पीपीटी के माध्यम से जानकारियां दी गई। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के उद्देश्य तहत बतलाया गया कि

डेंगू तथा अन्य वेक्टर जनित रोगो पर नियंत्रण व होने वाली मृत्युओं पर नियंत्रण के लिए क्या-क्या कार्य करें ताकि मलेरिया और डेंगू से सुरक्षित बने रहें। उक्त बैठक में मलेरिया विभाग के द्वारा अब तक संपादित किए गए कार्यो की बिन्दुवार जानकारियां दी गई वही डेंगू, बुखार किन कारणो से होता है के नियंत्रण के उपाय, लक्षण तथा चिकित्सको से सम्पर्क इत्यादि से अवगत कराया गया है। उक्त कार्यशाला में व्यक्तिगत सुरक्षा, मच्छरो के प्रजनन क्षेत्र, मच्छरो की पहचान, डेंगू की जांच के साथ-साथ अंतरविभागीय समन्वय तहत नगरपालिका, जनपदो, ग्राम पंचायतो, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, आयुष विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, जनसम्पर्क विभाग इत्यादि के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो की जानकारियां पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई है। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता, 1000 से अधिक लोग श्रमदान में बने थे सहभागी

कलेक्टर की पहल, रंगई घाट को साफ-स्वच्छ कर बनाया सुंदर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिषा स्वच्छता ही सेवा अभियान के निहित बिंदुओं के अंतर्गत कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में सफाई व्यवस्था के साथ-साथ नदी व घाटो में श्रमदान व सफाई गतिविधियां आयोजित कर शहर की सुंदरता बढ़ाने की विशेष पहल की गई है जो अब रंग ला रही है।

विदिशा के रंगई स्थित श्री बाढ़ वाले गणेश मंदिर बेतवा रंगई घाट को विगत दिनों कलेक्टर श्री सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला एवं विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारियों, सफाई मित्रों, आम नागरिकों और सामाजिक संगठनों सहित 1000 से अधिक की संख्या में प्रतिभागियों ने श्रमदान कर साफ-सफाई का कार्य किया था। जिसके परिणाम स्वरूप अब बेतवा का रंगई घाट साफ स्वच्छ और सुंदर नजर आ रहा है शहर में प्रवेश करने वाले अन्य जिलों के नागरिक भी घाट की सुंदरता को निहार रहे हैं। विदिशा के रंगई स्थित श्री बाढ़ वाले गणेश मंदिर के बेतवा नदी घाट पर विदिशा नगर के रहवासी अपने परिवार के साथ शाम के समय पहुंचते हैं जो घाट पर की गई साफ-सफाई व सुंदरता के लिए किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हैं। अब इस घाट पर पहुंचने वालों की संख्या और अधिक हो गई है।

श्रमदान में सहभागिता कर घाट को किया था साफ-स्वच्छ

जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारियों, सफाई मित्रोऔ सहित अन्य प्रतिभागियों ने विगत दिनों स्वच्छता अभियान चलाकर स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर बेतवा के रंगई घाट को श्रमदान कर साफ-स्वच्छ किया था। इस दौरान यहां से बड़ी मात्रा में कचरे को एकत्रित कर ट्रैक्टर-ट्राली के माध्यम से नगर पालिका के प्रसंस्करण केंद्र पहुंचाया गया था।

महात्मा गांधी जी की जयंती दो अक्टूबर बुधवार को जिले में शुष्क दिवस

सिरोंज। विदिषा महात्मा गांधी जी की जयंती दो अक्टूबर बुधवार को जिले में शुष्क दिवस घोषित करने के आदेश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रौशन कुमार सिंह के द्वारा जारी किया गया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि दो अक्टूबर को विदिशा जिले की समस्त देशी, विदेशी मदिरा दुकानो से मदिरा विक्रय एवं मद्य भण्डागारो से मदिरा परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं वाईन शॉप को बंद रखते हुए मदिरा क्रय, विक्रय, परिवहन एवं मद्य-भण्डागारो से मदिरा परिवहन निषिद्ध किया जाता है संबंधितों को जारी आदेश का कढाई से पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई है।

आंगनबाडी कार्यकर्ता को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है कि प्रत्येक मंगलवार, बुधवार एवं शुक्रवार को आंगनबाडी केन्द्रो का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें के परिपालन में परियोजना अधिकारी द्वारा नटेरन एवं लटेरी परियोजना क्षेत्रो की आंगनबाडी केन्द्रो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परलिक्षित त्रुटियों के संबंध में संबंधितों को नोटिस जारी किए गए है। शासकीय कार्यो में लापरवाही बरतने वाली आंगनबाडी कार्यकर्ता को सेवा समाप्ति का नोटिस तथा पर्यवेक्षक को कारण बताओ पत्र जारी किया गया है। गौरतलब हो कि महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत ने गत दिवस लटेरी परियोजना क्षेत्र की आंगनबाडी केन्द्रो का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान आंगनबाडी केन्द्र छिरारी एवं उप केन्द्र जालपुर बंद पाए जाने पर आंगनबाडी कार्यकर्ता श्रीमती किरण मेहता एवं कार्यकर्ता श्रीमती कृष्णा बाई उक्त दोनो को सेवा समाप्ति के नोटिस जारी किए गए है।

आंगनबाडी केन्द्र मामूखेडी, गोपालपुर, बीलखेडी में बच्चो की उपस्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी कर जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती राजकुमारी बघेल को आंगनबाडी केन्द्रो के निरीक्षण में लापरवाही बरतने पर दो वेतनवृद्धि रोकने का नोटिस जिला कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा जारी किया गया है।

बांग्लादेश ऑलआउट

कानपुर टेस्ट: इंडिया को जीत के चाहिए सिर्फ 95 रन

कानपुर. एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। मंगलवार को मैच का आखिरी दिन है और पहला सेशन जारी है। बांग्लादेश की टीम 146 रन पर ऑलआउट हो गई। जडेजा-अश्विन और बुमराह ने 3-3 विकेट लिए। बता दें तैजुल इस्लाम (शून्य) को जसप्रीत बुमराह ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। उन्होंने मेहदी हसन मिराज (9 रन) का भी विकेट लिया। रवींद्र जडेजा ने शाकिब अल हसन (शून्य), लिटन दास (1 रन) और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (19 रन) के विकेट लिया। शादमान इस्लाम (50 रन) को आकाश दीप ने यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। रविचंद्रन अश्विन ने मोमिनुल हक (2 रन), जाकिर हसन (10 रन) और नाइट वॉचमैन हसन महमूद (4 रन) को पवेलियन भेजा। इससे पहले, सोमवार को मुकाबले के चौथे दिन भारत ने बांग्लादेश की पहली पारी को 233 रन पर समेटा। फिर 34.4 ओवर में 9 विकेट पर 285 रन बना डाले और बांग्लादेश के दो विकेट भी निकाल लिए थे। बारिश के कारण तीसरे और दूसरे दिन का खेल रद्द करना पड़ा था, जबकि पहले दिन सिर्फ 35 ओवर ही डाले जा सके थे। बांग्लादेश ने 9वां विकेट भी गंवा दिया है। 41वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने तैजुल इस्लाम को आउट किया। बांग्लादेश ने 8वां विकेट गंवा दिया है। जसप्रीत बुमराह ने मेहदी हसन मिराज को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया।

भारत के 3 शहरों में होगा मल्टीनेशन टूर्नामेंट

क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर फिर से उतरेंगे मैदान में

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में लगाएंगे चौके-छक्के

नईदिल्ली. एजेंसी

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर एक बार फिर मैदान पर अपनी कला दिखाते नजर आएंगे, वे इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) में भारत के लिए खेलते दिखेंगे। आईएमएल का पहला सीजन इसी साल भारत के 3 शहरों मुंबई, रायपुर और लखनऊ में होगा। जिसकी तारीखें तय होना बाकी हैं। गावस्कर बने लीग कमिश्नर मुंबई और इंडियन क्रिकेट के 2 सितारे सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के इनिशिएटिव से आईएमएल शुरू होगी। गावस्कर को लीग का कमिश्नर बनाया गया है, वहीं तेंदुलकर लीग में खेलते नजर आएंगे। लीग में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी हिस्सा लेंगी। 6 देशों का टूर्नामेंट अब से हर साल होगा। पीएमजी स्पोर्ट्स ने इस लीग को कराने की जिम्मेदारी उठाई है।

सचिन बोले, टी-20 ने क्रिकेट को नए फैन्स दिए सचिन तेंदुलकर ने लीग को लेकर कहा, क्रिकेट भारत ही नहीं, दुनियाभर में तेजी से विकसित हो रहा है। लेकिन पिछले दशक में टी-20 ने तेजी से अपनी पहचान बनाई और नए फैन्स को इस खेल से जोड़ने पर मजबूर कर दिया। नए और पुराने फैन्स दिग्गजों को एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर देखने के लिए उत्साहित हैं। एक खिलाड़ी अपने मन में कभी रिटायर नहीं होता, उनके अंदर हमेशा एक खिलाड़ी खेलने के लिए तैयार रहता है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के जरिए हम क्रिकेट फैन्स और दिग्गजों को फिर एक बार साथ लाना चाह रहे हैं।

मेट्रो बाजार

नवरात्रि और दीपावली पर होगा सोने-चांदी में अच्छा कारोबार

मुंबई. एजेंसी

नवरात्रि और उसके बाद दिवाली पर्व आने वाले ही हैं, ऐसे में सराफा व्यापारियों को बड़ी उमीदें हैं, लेकिन सोना-चांदी के आसमानी भाव और आगे भी तेजी की संभावनाओं के बीच इस बार त्योहारी ग्राहकी कैसी रहेगी, इस पर एक्सपर्ट भी कोई ठोस जवाब नहीं दे पा रहे हैं, उनका कहना है कि वैश्विक स्तर पर चल रही युद्धक गतिविधियों के चलते निवेशक सहित दुनिया के बड़े बैंक गोल्ड कोटा बढ़ा रहे हैं।

ऐसे में कीमती धातुओं का भविष्य तेजीसूचक है। यानी आगामी त्योहारों पर सोना-चांदी के भाव कम नहीं होंगे। बीते करीब एक साल के आंकड़े बताते हैं कि सोना-चांदी ने 15 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। आभूषण बाजार में वजन में हलके और फैंसी आभूषणों की मांग रह सकती है। भारी वजन वाले गहनों का बाजार उमीद के अनुरूप नहीं रहेगा।

ये करें उपभोक्ता: सोना-चांदी की कीमतों में तेजी के बीच उपभोक्ता चिंतित है, क्योंकि आगे त्योहारी और वैवाहिक सीजन भी आने वाला है। लोग जरूरत के हिसाब से इन शुभ दिनों आभूषण खरीदते हैं। सराफा एक्सपर्ट नवनीत अग्रवाल कहते हैं कि बीते करीब एक साल में सोना-चांदी ने बेहतर रिटर्न दिया है इसलिए वर्तमान भाव पर निवेश किया जा सकता है।

चांदी की मांग: चांदी का उपयोग औद्योगिक इकाइयों में भी किया जाता है। खासकर कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री में। इसका लगभग सभी कंप्यूटर, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और उसके उपकरणों में उपयोग होता है। पिछले साल की तुलना में इस साल चांदी की मांग में वैश्विक रूप से करीब 11 फीसदी का उछाल आया है।

रिपोर्ट में खुलासा: भारतीयों की संपत्ति देश की जीडीपी के 158 फीसदी के बराबर, कर्ज बढ़ा

नई दिल्ली. एजेंसी

भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति से साथ कर्ज भी बढ़ा है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, 2024-25 की जून तिमाही में परिवारों की कुल संपत्ति देश की जीडीपी के 158 फीसदी के बराबर हो गई, जो गत वर्ष जीडीपी के 150.7 फीसदी पर था। इस दौरान परिवारों पर कर्ज जीडीपी के 42 फीसदी के बराबर हो गया। जून तिमाही में कर्ज को घटाकर भारतीय परिवारों की नेट संपत्ति जीडीपी के 115.9 फीसदी पर पहुंच गई है, जो ऑल-टाइम हाई है। 2024-25 की पहली तिमाही में परिवारों की वित्तीय देनदारियां यानी परिवारों पर कुल कर्ज 127 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 106 लाख करोड़ रुपए था। महामारी के पहले की तिमाहियों में कुल कर्ज जीडीपी का 35 फीसदी था। परिवारों की वित्तीय संपत्ति में इक्विटी की हिस्सेदारी बढ़कर 28 फीसदी हो गई है। जबकि अन्य संपत्ति वर्ग जैसे मुद्रा, डिपॉजिट और बीमा की हिस्सेदारी घटी है। परिवारों की सकल वित्तीय संपत्ति में लघु बचत सहित डिपॉजिट की हिस्सेदारी 38 फीसदी रह गई है।

स्पेनिश ला लीगा : ओसासुना ने अपने घरेलू मैदान पर 4-2 से दर्ज की जीत

बार्सिलोना को 7 मैचों बाद मिली पहली हार

पेम्पलोना (स्पेन). एजेंसी

बार्सिलोना को स्पेनिश ला लीगा के इस सीजन में लगातार सात जीत के बाद पहली हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में ओसासुना फुटबॉल क्लब ने बार्सिलोना को 4-2 से हरा कर उसे क्लब रेकॉर्ड की बराबरी करने से रोक दिया। ओसासुना की जीत में उसके फॉरवर्ड ब्रायन जरागोजा का अहम योगदान रहा। जरागोजा ने 18वें मिनट में एंटे बुदिमीर के लिए गोल का मौका बनाया, जबकि 28वें मिनट में गोलकीपर इनाकी पेना को छकाकर स्कोर 2-0 कर दिया। बार्सिलोना ने 2013 के सीजन में ला लीगा में अपने शुरुआती आठ मैच जीते थे। लेकिन ओसासुना ने इस बार उसे रेकॉर्ड की बराबरी करने से रोक दिया। इस मैच में बार्सिलोना के लिए पाउ विक्टर ने 53वें और लामिन यमाल ने 89वें मिनट में गोल किए। जबकि ओसासुना के बुमिमीर ने 18वें व 72वें और एबेल ब्रेटोन्स ने 85वें मिनट में गोल किए।

बार्सिलोना के फेरान टोरेस (दाएं) गेंद पर कब्जे की होड़ करते हुए।

भारतीय निशानेबाजों ने जीते दो स्वर्ण पदक

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय निशानेबाजों ने पेरू के लीमा में आयोजित आइएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/ शॉटगन) में पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उमेश चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलवल्ली ने 1726 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। कनिष्का डागर, लक्षिता और अंजलि चौधरी की महिला टीम ने 1708 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, उमेश चौधरी ने तीसरे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई थी। वह 580 स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे।

आइओए अध्यक्ष पीटी उषा ने लगाए ईसी पर आरोप...

'ईसी सदस्यों का ध्यान खुद के फायदे और वित्तीय लाभ पर'

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) को 'अपने तरीके' से चलाने का आरोप लगाते हुए अध्यक्ष पीटी उषा ने कार्यकारी परिषद (ईसी) में बगावत करने वाले सदस्यों पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उनका मकसद खेल की भलाई करने की जगह 'खुद के फायदे और वित्तीय लाभ' लेने पर है। उषा ने यहां एक विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि इनमें से कुछ ईसी सदस्यों का ट्रैक रेकॉर्ड बेहद संदिग्ध है। इसमें लैंगिक भेदभाव के आरोप व उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले भी दर्ज हैं। ईसी के 12 सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सीनियर अधिकारी जेरोम पोइवे को पत्र लिखकर इस दिग्गज एथलीट पर तानाशाही से काम करने का आरोप लगाया था।

भारतीय महिला टीम अभ्यास मैच जीती

दुबई। भारतीय महिला टीम ने आइसीसी टी-20 अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को 20 रन से शिकस्त दी। टीम ने आठ विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम आठ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। भारतीय टीम की ओर से जेमिमा रोड्रिगेज ने 40 गेंदों में पांच चौकों के साथ 52 रन की पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में मीडियम पेसर पूजा वस्त्रत्तकर ने सर्वाधिक विकेट चटकाए।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

हाल ही में एक साक्षात्कार में भुवन ने कहा, 'ताजा खबर 2' में मैंने खुद को अपने कंफर्ट जोन से बाहर किया है। खासकर ऐसे सीन्स के साथ, जिनमें मुझे अपना सौ प्रतिशत देना था। इन सीन्स को करने के लिए काफी कमजोरी और पावर की जरूरत होती है। भुवन बाम की लोकप्रिय वेब सीरीज ताजा खबर का दूसरा सीजन रिलीज हो गया है और इसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। ताजा खबर का सीजन 1 भी भुवन के फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। हालांकि, अब इस सीरीज को भुवन बॉलीवुड के लिए अपना ऑडिशन टेप कहते हैं। इसके अलावा यूट्यूबर अभिनेता का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि 'ताजा खबर 2' उन्हें बॉलीवुड में आसानी से एंट्री करने में मदद करेगी।

सीरीज के लिए कंफर्ट जोन से बाहर आए भुवन

हाल ही में एक साक्षात्कार में भुवन ने कहा, ताजा खबर 2 में मैंने खुद को अपने कंफर्ट जोन से बाहर किया है। खासकर ऐसे सीन्स के साथ, जिनमें मुझे अपना सौ प्रतिशत देना था। इन सीन्स को करने के लिए काफी पावर की जरूरत होती है। इन सीन्स का उद्देश्य सिर्फ किसी को हंसाने या फिर रुलाने का नहीं था। बल्कि, यह दिखाने का था कि मैं सीन में खुद को फिट कर सकता हूं।

सह-कलाकारों को दिया सफलता का श्रेय

भुवन ने कहा मैं इस सीरीज को दर्शकों और इंडस्ट्री में खुद को साबित करने के तरीके से देखता हूं। भुवन ने सीरीज की सफलता का श्रेय अभिनेता जावेद जाफरी, श्रेया पिलगांवकर व महेश मांजरेकर व सहयोग को दिया। उनका कहना है ऐसे उम्दा कलाकारों के साथ काम करना प्रेरणादायक था।

प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ सहयोग को बताया चैलेंजिग

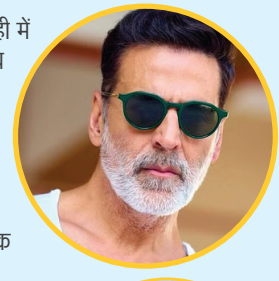

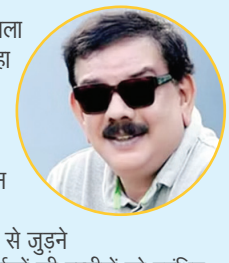

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अपने पुनर्मिलन की घोषणा की। अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी ने हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के लिए टीम बनाई है। उनके सहयोग ने सिनेप्रेमियों को काफी उत्साहित कर दिया है और वे इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अक्षय के साथ हेरा फेरी, भूल भुलैया, भागम भाग, दे दना दन और गरम मसाला जैसी फिल्मों में काम कर चुके प्रियदर्शन ने कहा कि वे 14 साल बाद एक साथ आए हैं और अपनी तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं, लेकिन दर्शकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। आईफा अवार्ड्स 2024 के ग्रीन कार्पेट पर अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान, प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ फिर से जुड़ने के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह दर्शकों की उम्मीदों को प्रबंधित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, मैंने उनके साथ जो भी फिल्म बनाई वह सुपरहिट रही है। लोग कहते हैं कि अक्षय कॉमेडी करते हैं इसका कारण आप हैं, लेकिन मैं उन सब चीजों पर विश्वास नहीं करता। प्रियदर्शन ने आगे कहा, मैंने जो किया वह (स्क्रीन पर) उनकी हास्य की भावना का फायदा उठाना था। हम 14 साल बाद काम कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि चीजें काम करेंगी। यह एक चुनौती है। अक्षय किस तरह के अभिनेता हैं, इस बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि अमिताभ बच्चन के बाद अक्षय ऐसे अभिनेता हैं जो समर्पित हैं और समय पर काम करते हैं। प्रियदर्शन ने भूल भुलैया के पहले भाग का निर्देशन किया था जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन ने अभिनय किया था। 'भूल भुलैया 3' पर प्रियदर्शन ने कहा कि अनीस बज्मी ने 'भूल भुलैया' के दूसरे भाग के साथ अच्छा काम किया था और उन्हें लगता है कि वह तीसरे भाग के साथ भी ऐसा ही करेंगे।

अनन्या पांडे ने बॉयफ्रेंड का कॉल इग्नोर किया! कहा- मुझे अब परवाह नहीं

एक इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने कहा, 'मैंने अब हार मान ली है। मुझे अहसास हुआ है कि जितना ज्यादा मैं कुछ छिपाने या फिर चुपके से करने की कोशिश करती हूं, उतना ज्यादा मैं पकड़ी जाती हूं। इसलिए अब मैंने यह सब कुछ छोड़ दिया है। अब मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। मैं कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रही हूं।'

वॉकर की पहली मुलाकात

अनन्या व वॉकर ब्लैंको को मुलाकात अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की दूसरी प्री वेडिंग के समय एक क्रूज पार्टी के दौरान हुई थी। पहले दोनों दोस्त बने और फिर डेट करने लगे। बॉम्बे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अनंत की शादी में अनन्या ने वॉकर को अपने पार्टनर के तौर पर सबसे मिलवाया था। वॉकर पिछले कुछ समय से जामनगर में हैं और वहां अंबानी परिवार के वंतूर एनिमल पार्क में काम करते हैं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर अभी तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। अनन्या की लव लाइफ हमेशा से सुर्खियों में रही है। पहले वो एक्टर ईशान खट्टर के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन लगभग डे? साल की डेटिंग के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद अनन्या की नजदीकियां आदित्य रॉय कपूर के साथ बढ़ीं। दोनों को कई बार साथ समय बिताते स्पॉट किया गया था।

मुझे गलत समझा जाता है...

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने कहा, सोशल मीडिया से भी दूरी बनाई थी। लेकिन वो भी कुछ काम नहीं आया। मैं जब भी कुछ अच्छी नीयत से करती हूं। तो पता नहीं क्यों सोशल मीडिया पर नेटीजंस का ग्रुप मुझे गलत समझ लेता है।

अनन्या पांडे अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस का नाम पूर्व मॉडल वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था...

बैरसिया में वार्ड नंबर दो की घटना, पुलिस ने दर्ज किया काउंटर प्रकरण

घर के पास नाली खोदने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने, खूनी संघर्ष, कुल्हाड़ी और डंडे से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर-12 में सोमवार शाम घर के पास नाली खोदने और पाइप डालने की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोगों को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से काउंटर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार वार्ड नंबर-12 में नगर पालिका द्वारा घर के पास से नाली में पाइप डाले जा रहे थे। इस दौरान दो पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों का कहना है कि पाइप यहां से नहीं दूसरी तरफ से डाले जाए।

एक पक्ष का कहना था कि हमारे घर की तरफ नहीं दूसरी तरफ पाइप डाले जाए। इसी तरह दूसरे पक्ष का कहना था कि हमारी तरफ ने

पहले पक्ष की जमीन में पाइप डाले जाए। बस इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। गालीगलौज से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

बीच बचाव करने आए युवक को जाति से किया अपमानित

पुलिस ने उक्त मामले में रमेश कुशवाह की शिकायत पर धर्मेंद्र कुशवाह, अवधनारायण, सुनील लालाराम, अखिलेश, रामगोपाल और गुलाब कुशवाह पर मारपीट का मामला दर्ज की है। इसके अलावा एट्रोसिटी एक्ट की धारा भी लगाई गई। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच बचाव में अरविंद शाक्य आया था। इस दौरान धर्मेंद्र कुशवाह की ओर से उसे जातिसूचक शब्द गए गए। इसी प्रकार पुलिस ने योगेंद्र कुशवाह की शिकायत पर बाबूलाल कुशवाह, राजेश कुशवाह, रमेश, सौरभ, बहादुर कुशवाह और अतुल कुशवाह पर प्रकरण दर्ज किया है।

मामला: बच्ची से रेप व हत्या के आरोपी को भेजा रिमांड पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईदगाह हिल्स इलाके में 5 साल की मासूम बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या करने वाले आरोपी अतुल भालसे को कोर्ट ने 11 अक्टूबर तक ज्यूडिशियल रिमांड पर सेंट्रल जेल गांधी नगर भेज दिया है। पुलिस थाना शाहजहांनाबाद ने आरोपी को गिरफ्तार कर 30 सितंबर तक पुलिस रिमाण्ड पर लिया था। सोमवार को पुलिस रिमाण्ड की अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने आरोपी अतुल भालसे को 11 अक्टूबर तक ज्यूडिशियल रिमांड पर सेंट्रल जेल गांधी नगर भेजे जाने के आदेश दिए थे। पुलिस ने आरोपी अतुल भालसे को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया। पुलिस मामले में कोर्ट में जल्द चालान पेश करेगी ।

वंदे भारत में महिला यात्री के 30 हजार नगद समेत सामान चोरी

चोरी का प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वंदे भारत एक्सप्रेस में महिला यात्री की अटैची से तीस हजार रुपए की नगदी समेत जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के समय वह निजामउद्दीन स्टेशन से चलकर रानी कमलापति स्टेशन आने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस सफर कर रही थी। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार बागसेवनिया निवासी अंशु गुप्ता 18 अगस्त 2024 को वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच सी-5 की बर्थ क्रमांक 73 पर निजामउद्दीन से रानी कमलापति स्टेशन की यात्रा कर रही थीं। उन्होंने अपनी अटैची पैर के पास रख दी थी। रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेन आने पर वह ट्रेन से उतरकर अपना सामान लेकर भाई की बाइक से घर चली गई। घर पहुंचने के कुछ देर बाद उन्होंने अटैची से मिठाई का डिब्बा निकाला और फ्रिज में रख दिया। इस दौरान उन्हें अटैची में रखे 30 हजार रुपए, चांदी की पायल, मेकअप बाक्स समेत अन्य सामान नहीं मिला। उन्होंने घटना की शिकायत बागसेवनिया थाने में की थी। बागसेवनिया पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर केस डायरी जीआरपी रानी कमलापति को सौंप दी है।

चोरी का डर बताकर बाइक सवार जालसाजों ने की वारदात

जालसाज बने पुलिसकर्मी, व्यापारी की पत्नी से सोने के कंगन ठगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संत हरिदाराम नगर (बैरागढ़) में मुख्य सड़क पर बैंक ऑफ बड़ौदा के पास व्यापारी की पत्नी से सोने के कंगन ठगे जाने का मामला सामने आया है। आरोपी उनके पास बाइक से पहुंचे थे और खुद को पुलिस बताकर चोरी का डर बताते हुए वारदात को अंजाम दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार बी-न्यू वार्ड-4 निवासी यशोदा मंगलानी पति नारीमन मंगलानी गृहणी हैं। उनके पति व्यापार करते हैं। सोमवार सुबह करीब सा? 10 बजे यशोदा सब्जी खरीदने बाजार गई हुई थीं। बैंक ऑफ बड़ौदा के पास वह पहुंची ही थीं कि तभी बाइक सवार दो युवक आए। दोनों टोपी पहने हुए थे। उन्होंने खुद को पुलिस बताते हुए यशोदा से कहा कि गहने पहनकर बाजार में नहीं निकलो। इन दिनों चोरी और लूट की वारदात हो रही है।

यशोदा उन्हें पुलिसकर्मी समझ बैठी। यशोदा ने अपने कंगन उतारे और कागज में लपेटकर रखने लगी। इसी बीच जालसाज कहने लगे कि कंगन ऐसे नहीं रखों। यशोदा ने उन्हें कंगन रखने के लिए दे दिए। आरोपियों ने कागज लिया और बातों में उलझाकर उसमें नकली कंगन रख दिए। यशोदा घर पहुंची और कागज को खोला तो उसमें नकली कंगन थे। यशोदा ने तत्काल घटना की जानकारी पति को दी। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

फाइल फोटो

निजी अस्पताल की नर्स से अटेंडर ने की मारपीट

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में महिला नर्स से अटेंडर द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला नर्स की शिकायत पर दंपती के खिलाफ गाली-गलौज और मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार रानी अहिरवार पिता फेलू अहिरवार (25) एसबीआई बैंक के पास सिंगारचोली एयरपोर्ट रोड पर रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि इलाके के निजी अस्पताल में स्टाफ नर्स की नौकरी करती हैं। 28 सितंबर की शाम 8 बजे से 29 सितंबर की सुबह 8 बजे तक उनकी ड्यूटी थी। वे नाइट में ड्यूटी कर रही थी, तभी रात करीब साढे 11 बजे वह एसडीयू वार्ड मरीज को देखने पहुंची और उसे दवाई देनी लगी। इस दौरान वहां मरीज शकीला की अटेंडर अकीला उनके पास पहुंची और कहने लगी कि मरीज को दर्द हो रहा है तुम कैसा काम कर रही हो।

आज से 24 घंटे खुलेगा राजा भोज एयरपोर्ट

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट अब 24 घंटे खुला रहेगा। मंगलवार यानी आज से इसकी शुरुआत हो गई है। एयरपोर्ट पर नियमित उड़ानों के साथ ही नॉन शेड्यूल उड़ानें एवं एयर एंबुलेंस अब देर रात को भी लैंड हो सकेंगी। 24 घंटे उड़ान संचालन के बाद भोपाल-पुणे रूट पर पहली लेट नाइट उड़ान 27 अक्टूबर से शुरू होगी। इंडिगो ने इसका शेड्यूल जारी कर दिया है। बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने तीन माह पहले ही 24 घंटे उड़ान संचालन की तैयारी कर दी थी। यह निर्णय एक अक्टूबर से प्रभावी हो गया है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार फिलहाल भोपाल से एक भी लेट नाइट उड़ान नहीं है, लेकिन भविष्य में देर रात की कई उड़ानें प्रारंभ होंगी।

सोसाइटी का ज्वाइंट कमिश्नर 2 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकायुक्त भोपाल की टीम ने मैनिट चौराहा के पास 2 लाख रुपए की घूस लेते हुए कॉपरेटिव सोसायटी के ज्वाइंट रजिस्ट्रार, ज्वाइंट कमिश्नर विनोद कुमार सिंह को रंगे हाथ पकड़ा है। वे विशाल सागर गृह निर्माण समिति मर्यादित भोपाल संस्था के तत्कालीन अध्यक्ष विनोद शर्मा से अनियमितता की जांच का निराकरण करने की एवज में 5 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। लोकायुक्त को शिकायत मिलते ही योजनाबद्ध तरीके से सोमवार को उन्हें मैनिट चौराहा बुलाया गया। वहां दो लाख रुपए की घूस लेते हुए अध्यक्ष को दबोच लिया गया।

डीएसपी लोकायुक्त संजय शुक्ला ने बताया कि नेहरू नगर, आकृति गार्डन निवासी विनोद शर्मा विशाल सागर गृह निर्माण समिति मर्यादित भोपाल के अध्यक्ष रहे हैं। वर्तमान में सदस्य हैं। उन पर अनियमितता की शिकायत सहकारिता विभाग में हुई थी। उक्त प्रकरण में जांच चल रही थी। जांच का निराकरण करने के एवज में ज्वाइंट

रजिस्ट्रार, ज्वाइंट कमिशनर सहकारिता विभाग विनोद कुमार सिंह उनसे पांच लाख रुपए की मांग कर रहे थे। गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष की शिकायत पर लोकायुक्त ने पड़ताल की तो शिकायत सही निकली। लोकायुक्त के कहने पर अध्यक्ष ने सोमवार को विनोद कुमार से बातचीत की। विनोद कुमार ने अध्यक्ष को मैनिट चौराहा पर बुलाया। वहां अध्यक्ष विनोद से रिश्वत ली। तभी मौके पर जाल बिछाए खड़ी लोकायुक्त की टीम ने उसे दबोच लिया।

फार्म हाउस में चौकीदार ने फांसी लगाकर दी जान, नहीं मिला सुसाइड नोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम इमलिया में ठेकेदार के फार्म हाउस में सोमवार दोपहर चौकीदार ने फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चौकीदार का शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया है। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण पता नहीं चल सके है। मंगलवार को नर्मदापुरम से परिजन के पहुंचने के बाद उसका पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार आनंद नगर निवासी ठेकेदार प्रदीप जैन का इमलिया गांव में फार्म हाउस है। फार्म हाउस में करीब बीस साल से नर्मदापुरम निवासी 43 साल का कमलेश गुर्जर चौकीदार बतौर रह रहा था। लंबे समय से रहने के कारण प्रदीप जैन उसे परिवार का सदस्य मानने लगे थे। उसे महीने के छह हजार रुपए और रहने खाने के लिए सामान मुहैया कराते थे। प्रदीप जैन का ठेका अभी बैरसिया में ही चल रहा है। सोमवार सुबह प्रदीप जैन का बेटा अभिषेक बैरसिया पहुंचा और दोपहर करीब सवा 12 बजे फार्म में कमलेश से मिलकर आया।

मेट्रो एंकर | चाकू के वार से महिला गंभीर, मां को बचाने में बेटी भी घायल

सो रही मां-बेटी पर अज्ञात नकाबपोश ने चाकू से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सुखसागर फेस-3 खजूरी रोड पर घर में घुसे अज्ञात नकाबपोश बदमाश ने सो रही मां-बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। मां की चीख सुनकर बेटी ने उन्हें बचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उस पर भी हमला किया है। मां बेटी का शोर मचाया तो हमलावर वहां से भाग निकला। पुलिस ने घायल की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सुखसागर फेस-3, खजूरी रोड निवासी प्रभा मिश्रा पत्नी योगेश उर्फ राकेश मिश्रा (32) पटेल नगर के निजी स्कूल में टीचर हैं। पति की शिव नगर में किराना दुकान है। रविवार सुबह 6 बजे पति दुकान चले गए। प्रभा अपने घर में अंदर वाले

कमरे में बेटी के साथ सो रही थीं। इस दौरान सुबह करीब साढे 6 बजे किसी अज्ञात बदमाश ने दरवाजे के बगल वाली खि?की से हाथ डालकर दरवाजा खोल लिया। वह अंदर कमरे में घुस आया। कमरे में घुसते बदमाश ने किसी वस्तु से उसके सीने पर वार किया, जिससे उनकी नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि मुंह पर लाल कलर का गमछा बांधे बदमाश ने दौबारा चाकू से हमला किया। चाकू का हमला उनहोंने बाएं से रोकने का प्रयास किया तो उनकी कलाई में चोट लगी है। चिल्ला-चोट सुनकर प्रभा मिश्रा की बेटी जानवी की नींद खुल गई। इस बीच प्रभा मिश्रा ने अपने पैरों से बदमाश पर वार किया। पैर लगते ही बदमाश और उसके हाथ का चाकू फर्श पर गिर गए।

बीच-बचाव करने में जानवी के हाथ में भी चाकू लगने से चोट आई है। शोर होता देख आरोपी गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

उम्रकैद की सजा काट रहे बुजुर्ग बंदी की मौत

गांधी नगर स्थित केन्द्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 81 साल के बुजुर्ग बंदी की रविवार को हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई। हत्या के मामले में बुजुर्ग और उनके दो बेटों को साल 2021 से गुना जेल से सेंट्रल जेल भोपाल भेजा गया था। गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर त तीश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से अशोक नगर निवासी रामदयाल राय (81) साल 2021 से हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। रामदयाल के साथ उनके दो बेटे भी अपराध में शामिल थे। वह भी सेंट्रल जेल भोपाल में बंद हैं। बीते कई दिनों से रामदयाल सास की बीमारी से ग्रस्त थे। लंबे समय से उनका इलाज जेल अस्पताल में चल रहा था। हालत गंभीर होने पर उन्हें पर हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विगत 24 सितंबर को अस्पताल से उनकी छुट्टी हो गई थी। रविवार सुबह अचानक उनकी तबियत नासाज होने पर हमीदिया अस्पताल भेजा गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022